निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि उत्तराखंड पंजाब गोवा में एक चरण में जबकि मणिपुर में दो और उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदात होगा।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 29 दिनांक: 09-01-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने वीडियो संदेश में कहा है कि 15-20 वर्षों में पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में पर्यटक मुरी पहुंचे हैं। करीब 1000 कारें फंसी हुई हैं। 16 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

ईसी ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव तिथियों का किया ऐलान, यूपी में 7 चरणों में होगा चुनाव

-10 मार्च को आएंगे परिणाम

-पंजाब और उत्तराखंड में एक राउंड में होगा मतदान

-रैली, रोड शो पर रोक, सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की होगी इजाजत

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों के बहुप्रतीक्षित चुनावों की तिथियों की घोषणा निर्वाचन आयोग ने कर दी है। लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल कहे जा रहे इन चुनावों में 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में 7 चरणों मतदान होगा। इसके अलावा उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में 14 फरवरी को एक ही राउंड में मतदान होना है। मणिपुर में दो चरणों में 27 फरवरी और 3 मार्च को वोटिंग होगी। उत्तर प्रदेश में पहले राउंड की वोटिंग 10 फरवरी को होगी। इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी को होना है। 20 फरवरी को तीसरे और 23 तारीख को चौथे राउंड की वोटिंग होगी। 27 फरवरी को 5वें, 3 मार्च को छठे और 7 मार्च को 7राउंड का मतदान होना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 10 मार्च को सभी 5 राज्यों के नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

यूपी समेत सभी 5 राज्यों में वोटिंग का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा सभी राज्यों में 15 जनवरी तक किसी भी तरह की रैली, रोड शो, बाइक रैली, नुक्कड़ सभाओं पर रोक लगा दी गई है। सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की ही अनुमति होगी। 15 जनवरी के बाद हालात की समीक्षा की जाएगी। यदि कोरोना नियंत्रण में होता है तो फिर कुछ छूट दी जा सकती हैं। चुनाव की समाप्ति के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस पर रोक होगी।

सभी चुनाव अधिकारियों के लिए कोरोना की दोनों डोज जरूरी-

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव के दौरान कोरोना नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हमें महामारी से निकलने का यकीन रखना होगा। उन्होंने नियमों के बारे में बताते हुए एक शेर से शुरुआत की। सुशील चंद्रा ने कहा, 'यकीन हो तो कोई रास्ता निकलता है, हवा की ओट लेकर भी चिराग जलता है।' चुनाव में तैनात सभी कर्मियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी होनी चाहिए। चुनाव आयुक्त ने कहा कि उत्तराखंड और गोवा में ज्यादातर लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं। यूपी में 90 फीसदी वयस्कों को कम से एक टीका लग चुका है।

चुनाव आयोग ने कहा कि इलेक्शन के दौरान अवैध पैसे और शराब पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन की भी सुविधा दी जाएगी। चुनाव आचार संहित इलेक्शन शेड्यूल जारी होने के बाद ही लागू हो जाएगी। चुनाव की अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और इसके चलते अब किसी भी राज्य में कोई सरकार जनता को लुभाने की घोषणाओं का ऐलान नहीं कर सकेगी।

आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों के बारे में अखबार में देनी होगी जानकारी-

मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक नियम की घोषणा करते हुए कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल आपराधिक छवि वाले कैंडिडेट को चुनता है तो उसके बारे में अखबारों में जानकारी देनी होगी। इसके अलावा यह भी बताना होगा कि उन्हें क्यों चुना गया है। उम्मीदवारों को भी अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मुकदमों के बारे में जानकारी होगी। नो योर कैंडिडेट ऐप भी लॉन्च किया गया है। इसके जरिए लोग अपने उम्मीदवार के बारे में विस्तार से जान सकेंगे। मुख्य आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि सभी राज्यों में कुल 900 पर्यवेक्षक चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

हर कार्यक्रम की होगी वीडियोग्राफी-

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। कोरोना काल में चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण है। यूपी समेत 5 राज्यों के चुनावों में 690 सीटों पर मतदान कराया जाना है। हमने सभी राज्यों के डीजीपी और प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया है। कोरोना काल में भी चुनाव कराना हमारा कर्तव्य है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि 1620 पोलिंग स्टेशनों पर महिला कर्मचारी होंगी। सभी राज्यों के लिए मतदाता सूची 5 जनवरी को प्रकाशित हुई है। इसमें 24.9 लाख नए वोटर जोड़े गए हैं। पोलिंग स्टेशनों में 16 फीसदी का इजाफा हुआ है।

चुनावी राज्यों में 15 जनवरी तक कोई भी चुनावी रैली, रोड शो, पदयात्रा या साइकिल यात्रा नहीं होगी - चुनाव आयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने ने कहा कि चुनावी राज्यों में 15 जनवरी तक कोई भी चुनावी रैली, रोडशो, पदयात्रा या साइकिल यात्रा नहीं होगी। 8 बजे रात से सुबह 8 बजे तक कोई चुनाव रैली नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों पर कोई नुक्कड़ सभा नहीं होगी। मतगणना के बाद कोई भी विजय जुलूस की इजाजत नहीं होगी। कोरोना नियमों का पूरी तरह कड़ाई से पालन कराया जाएगा। इसके लिए निर्वाचन अधिकारियों को कार्रवाई के अधिकार होंगे। 15 जनवरी के बाद चुनाव आयोग कोरोना के हालातों की समीक्षा करेगा।

चुनाव डयूटी में लगे कर्मियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगना भी जरूरी है। उन्हें प्रिकॉशन यानी बूस्टर डोज लगाने की सिफारिश भी की गई है, ताकि वे सुरक्षित रहें। चुनाव आयोग राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ वैक्सीनेशन स्टेटस की निगरानी करेगा। मतदान का समय भी एक घंटे बढ़ाया गया है। चुनाव अधिसूचना के दौरान इस समय-सीमा के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। चुनाव में उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन की सुविधा होगी। इससे निर्वाचन कार्यालय में भीड़ से बचा जा सकेगा। 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था करने की भी बात कही गई है।

पोलिंग बूथ पर भीड़ से बचाने के लिए 1500 की जगह 1250 वोटर होंगे। इसके लिए 16 फीसदी पोलिंग बूथ बढ़ाए गए हैं। मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार 28 लाख रुपये चुनाव खर्च कर सकते हैं।

चुनाव आयोग ने कहा कि दागी उम्मीदवारों को अखबारों में अपने आपराधिक मामलों की जानकारी तीन बार प्रकाशित करानी होगी। पार्टियों को भी इसकी जानकारी अपनी वेबसाइट पर डालनी होगी।

चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि चुनाव प्रचार के नियमों का उल्लंघन करने या कोविड गाइडलाइन का पालन नहीं करने पर निर्वाचन अधिकारी किसी प्रत्याशी को आगे प्रचार से रोक सकते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि गोवा में 95 फीसदी लोगों को में वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। उत्तराखंड में 99.6 प्रतिशत लोगों को फर्स्ट, और 83 फीसदी को दोनों डोज लग चुकी हैं। यूपी में 90 फीसदी को फर्स्ट डोज और 52 फीसदी को दोनों खुराक लग चुकी हैं। पंजाब में 82 फीसदी को एक डोज और 46 फीसदी को दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। मणिपुर में 57 फीसदी को फर्स्ट डोज और 43 फीसदी को दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं।

वीके भावरा होंगे पंजाब के नए डीजीपी, चन्नी सरकार ने लगाई नाम पर मुहर

चंडीगढ़ (ईएमएस)। 1987 बैच के आइपीएस अफसर वीके भावरा पंजाब के नए डीजीपी होंगे। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज चुनाव आचार संहिता लागू होने से कुछ घंटे पहले ही उनके नाम पर मुहर लगाई। इसके साथ ही उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। नए डीजीपी ने पदभार भी ग्रहण कर लिया है।

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से चार जनवरी को ही पंजाब में स्थायी डीजीपी लगाने के लिए तीन अफसरों का पैनल भेज दिया गया था। सूत्रों की मानें तो यूपीएससी की ओर से भेजे गए पैनल को लेकर वीरवार और शुक्रवार के बीच की रात को एक बजे तक मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी और गृह विभाग के एडिश्नल चीफ सेक्रेटरी अनुराग वर्मा आदि के बीच लंबी चर्चा चली लेकिन कोई फैसला नहीं लिया जा सका। हालांकि गृह विभाग की ओर से यह संकेत दिया गया था कि वीरवार रात को ही फैसला हो जाएगा। फाइल पर केवल मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर करवाना की औपचारिकता बाकी है, लेकिन देर रात मीटिंग में भी यह फैसला नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि सीएम ने भावरा के नाम पर मोहर लगा दी है।

यूपीएससी ने डीजीपी के पद के लिए तीन अफसरों का चयन किया था जिसमें 1987 बैच के दिनकर गुप्ता और वीके भावरा हैं और 1988 बैच के प्रबोध कुमार हैं। चूंकि दिनकर गुप्ता गृह विभाग को पहले ही लिखकर दे चुके हैं कि वह डीजीपी बनने के इच्छुक नहीं हैं, इसलिए वीके भावरा पहले से ही डीजीपी रेस में सबसे आगे थे। प्रबोध कुमार बेअदबी कांड की जांच में शामिल होने और इस पर कोई कार्रवाई न कर पाने को लेकर सरकार की पसंदीदा अफसरों की सूची से पहले ही उतर गए थे। दिनकर गुप्ता की तरह प्रबोध कुमार ने भी अपना केंद्रीय डेपुटेशन पर जाने की इच्छा व्यक्त की थी।

कोरोना बढ़ने पर महाराष्ट्र सरकार ने लगाया नाइट कर्फ्यू, बंद रहेंगे जिम और सैलून

- मुंबई लोकल ट्रेन के सफर पर फिलहाल पाबंदी नहीं

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों पर अब राज्य सरकार सख्ती लागू करने के मूड में है. राज्य सरकार ने रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू कर दिया है. यह नाइट कर्फ्यू 10 जनवरी से प्रभावी होगा. इस दौरान एक साथ 5 से ज्यादा लोग बाहर नहीं निकल सकेंगे. नाइट कर्फ्यू के दौरान पांच से ज्यादा लोगों के एक साथ बाहर निकलने पर पाबंदी रहेगी.

महाराष्ट्र सरकार की नई गाइडलाइन के मुताबिक स्विमिंग पूल, जिम, स्पा, ब्यूटी सैलून, चिड़ियाघर, संग्रहालय और मनोरंजन पार्क बंद रहेंगे. वहीं बाल काटने वाले सैलून और मॉल 50 फीसदी क्षमता के साथ ही संचालित हो सकेंगे. सरकार ने यह कदम कोरोना के बढ़ते संक्रमण की वजह से उठाया है. स्कूल कॉलेज सरकार के पहले के आदेश के अनुसार 15 फरवरी तक बंद रहेंगे. इसके अतिरिक्त सरकार ने अपनी गाइडलाइन में निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए हैं. हालांकि मुंबई लोकल ट्रेन के सफर पर फिलहाल सरकार ने कोई पाबंदी नहीं लगाई है. आपको बता दें कि स्विमिंग पूल, टूरिस्ट प्लेस और जिमों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. इस दौरान लोग एक दूसरे के कॉन्टैक्ट में आते हैं. इससे संक्रमण फैलने का खतरा और भी तेज हो जाता है. यही वजह है कि सरकार ने इन सभी गतिविधियों पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है. जिससे राज्य में फैल रहे संक्रमण पर लगाम कसी जा सके. शनिवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 40 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं. जिसमें अकेले मुंबई में कोरोना केस 20 हजार को पार कर गए हैं. जिसके बाद राज्य सरकार को नई पाबंदी लगानी पड़ी है.

सत्ताधारी पार्टी के हथकंडों पर नज़र रखे चुनाव आयोग - मायावती

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने चुनाव की तारीख घोषित होने का स्वागत करते हुए सत्ताधारी पार्टी के हथकंडों पर आयोग से नजर रखने की अपील की है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का दावा किया है वहीं राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 10 मार्च को बीजेपी का साफ होना तय है.

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, ''लोकतंत्र के महापर्व में प्रदेश के चुनाव की तिथियों की घोषणा का स्वागत. भारतीय जनता पार्टी डबल इंजन की सरकार की उपलब्धियों के आधार पर जनता जनार्दन के आशीर्वाद से प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने में सफल होगी.''

सपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शनिवार को ट्वीट किया ''किसानों के हित के लिए कोई फैसला नहीं लिया, इसलिए 10 मार्च को भाजपा का साफ होना तय है. 10 तारीख के बाद सपा ने जो संकल्प लिया है, यहां के लोगों को 300 यूनिट बिजली के लिए कोई बिल नहीं आएगा, बिल शून्य होगा.'' इसी ट्वीट में पार्टी ने आगे कहा है कि चुनाव के ऐलान होने के बाद माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की पहली प्रतिक्रिया.

अखिलेश यादव ने कहा '' ये तारीखें बदलाव की हैं. शुरुआत 10 फरवरी से हो रही है और 10 मार्च तक परिणाम आएगा. चुनाव आयोग द्वारा रखी गई शर्तों का पालन किया जाएगा. दस मार्च के बाद भाजपा का साफ होना तय है.' पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को ट्वीट किया ''उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा आम चुनाव हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आज तिथि की घोषणा का स्वागत. आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आयोग यह चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचारू व शांतिपूर्वक कराने की अपनी जिम्मेदारी को जन आकांक्षाओं के अनुरूप पूरी मुस्तैदी से जरूर निभाएगा.''

बसपा प्रमुख ने लिखा,'' सत्ताधारी पार्टी द्वारा हर चुनाव में नए-नए हथकंडे अपनाकर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने की प्रवृति घातक रूप से आम होती जा रही है, जिस पर इस चुनाव में पूरी गंभीरता से ध्यान देने एवं तत्परता के साथ उसके विरुद्ध कार्रवाई करने की चुनाव आयोग से खास अपील.'' उन्होंने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा ''चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है जिसके प्रति खासकर ग़रीब, मजदूर एवं मेहनतकश लोग अति-उत्साहित रहते हैं, उनकी भावना एवं अधिकारों की विशेषकर वोटिंग वाले दिन हर प्रकार से रक्षा जरूर हो. नागरिकों के मताधिकार की रक्षा उनके मूलभूत अधिकार की तरह संविधान के मंशा के अनुरूप हो तो बेहतर.''

मायावती ने कहा कि बसपा के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उम्मीदवारों आदि को भी सख्त निर्देश है कि वे पार्टी अनुशासन के साथ-साथ आज से ही लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता का कड़ाई के साथ अनुपालन करें.

लोगों के पास महंगाई, बेरोजगारी को पराजित करने का सुनहरा मौक़ा - कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने कहा कि पांच राज्यों में लोगों के पास भाजपा के खिलाफ वोट की चोट करके महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और महिलाओं पर अत्याचार को पराजित करने का सुनहरा मौका है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने उम्मीद जताई कि पंजाब में कांग्रेस की एक बार फिर जीत सुनिश्चित होगी और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सत्ता परिवर्तन होगा जहां लोग कांग्रेस को अपना समर्थन देंगे।

सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''पांचों राज्यों में कांग्रेस का हर कार्यकर्ता मजबूती से लड़ेगा, चार राज्यों में भाजपा को पटखनी देगा और पंजाब में कांग्रेस का झंडा फिर लहराएगा।''

सुरजेवाला ने कहा, ''लोगों के पास अवसर है कि वे भाजपा को भी हराएं और महंगाई को भी हराएं। किसानों के पास मौका है कि वे लखीमपुर खीरी में टायरों के नीचे कुचलने वालों और ऐसे लोगों को मंत्री बनाकर बैठाने वाली भाजपा को सजा दें।''

कांग्रेस प्रवक्ता के मुताबिक, खेती के व्यापार को कुछ उद्योगपतियों को बेचने की साजिश करने वालों को हराएं। युवाओं के पास मौका है, भाजपा पर वोट की चोट करिए और बेरोजगारी को हराइए। महिलाओं के पास स्वर्णिम मौका है कि भाजपा को हराकर अत्याचार और महंगाई से निजात पाएं। दलित और पिछड़ों के पास मौका है, भाजपा को हराइए और अत्याचार एवं अधिकारों पर कुठाराघात से मुक्ति पाइए।

कोर्ट कर्मियों का घूस मांगना अस्वीकार्य, ऊँचे मानदंड सिर्फ जजों के लिए नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में रिश्वतखोरी को लेकर सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अदालतों में काम करते हुए रिश्वत मांगना अस्वीकार्य है। अदालतों में कामकाज के उच्च मानदंड सिर्फ जजों के लिए ही नहीं हैं, बल्कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी हैं। शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी बिहार की एक जिला कोर्ट में पदस्थ रहे व्यक्ति की सजा में परिवर्तन करते हुए की। एक केस में आरोपी को दोषमुक्त कराने के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया था कि वह सजा में बदलाव कर बर्खास्तगी की बजाए निकालना कर दिया जाए, ताकि संबंधित व्यक्ति कहीं और नौकरी कर सके। जस्टिस एएम खानविलकर व जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ से अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि पिछले 24 सालों से इस व्यक्ति ने बेदाग सेवा की है और उसके खिलाफ यह पहला आरोप था। इस पर पीठ ने कहा, 'तुम अदालत में काम करते हो और पैसा मांगते हो, अपीलकर्ता ने अपनी गलती मंजूर की है। शीर्ष अदालत पटना हाईकोर्ट की डबल बेंच के जनवरी 2020 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस व्यक्ति ने पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ में अपील की थी, जो खारिज हो गई थी। डबल बेंच ने भी उसकी अपील नामंजूर कर दी थी। एकल पीठ ने जनवरी 2018 में उस व्यक्ति की सजा में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया था। यह व्यक्ति औरंगाबाद की कोर्ट में पीठासीन अधिकारी था।

- अदालत ने पूछा बर्खास्तगी की सजा सख्त कैसे?

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फरियादी को 2014 में सेवा से बर्खास्त किया गया था। उसे सुनाई गई सजा बेहद सख्त है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'यह सजा सख्त कैसे है? यह जांच के बाद सुनाई गई है या नहीं?' इस पर वकील ने कहा कि पहली जांच में जांच अधिकारी ने आरोपी को बरी कर दिया था। बाद में विभागीय जांच की गई और आरोप सही पाए गए।

- सुप्रीम कोर्ट ने सजा में यह बदलाव किया

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है तो फिर क्या किया जा सकता है। वकील ने कहा कि हो सके तो सेवा बहाल कर दीजिए, इस पर पीठ ने कहा, यह इसका सवाल ही नहीं उठता। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अदालत में काम करते हो और पैसों की मांग करते हो, यह अस्वीकार्य है। आरोपी को सजा बतौर बर्खास्त किया गया है। वकील द्वारा 24 साल की बेदाग सेवा का हवाला देने पर शीर्ष कोर्ट ने सजा में बदलाव करते हुए बर्खास्तगी को हटाया या निकालना कर दिया, ताकि वह अन्यत्र कहीं नौकरी कर सके।

श्रीलंका भारत से ईंधन ऋण सहायता लेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रीलंका भारत से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ईंधन ऋण सहायता लेने पर विचार कर रहा है। जानकारी के मुता?बिक दोनों देशों के बीच तेल टैंक सौदे पर हस्ताक्षर के बाद ऊर्जा सहयोग बढ़ने के बीच पड़ोसी देश भारत से ऋण सहायता हासिल करने की संभावनाएं तलाश रहा है। पड़ोसी देश ने हाल ही में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की श्रीलंका शाखा (एलआईओसी), सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) और दोनों कंपनियों के संयुक्त उद्यम के साथ त्रिंकोमाली में लगभग 75 तेल टैंकों के पुनर्विकास के लिए एक समझौते पर हस्तक्षार किए थे। इस बीच श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री उदय गमनपिला ने कहा था कि उनका देश जनवरी के तीसरे सप्ताह में ईंधन संकट का सामना कर सकता है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की, ताकि आयात के लिए जरूरी विदेशी मुद्रा का इंतजाम किया जा सके।

कार्टून कोना

कोरोना के मामलों में भारी उछाल, दिल्ली में 20 हजार और महाराष्ट्र में 40 हजार से अधिक नए केस,

नई दिल्ली, एजेंसियां। ओमिक्रोन वैरिएंट के खतरे के बीच भारत में कोरोना के नए मामलों में तेजी से उछाल देखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई अन्य राज्यों में कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी जारी है। दिल्ली में शनिवार को पिछले 24 घंटों के अंदर 20 हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 41 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। देशभर में कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रोन भी लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ओमिक्रोन के कुल 3,071 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 1,203 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस नए वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से आ रहे हैं। शनिवार शाम दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को 20,181 कोरोना के नए मामले सामने आए। इसके साथ ही राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 48,178 हो गई है। संक्रमण दर बढ़कर 19.6 फीसद हो गई है। पिछले 24 घंटे में 11,869 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 41,434 नए मामले सामने आए हैं। 9671 लोग डिस्चार्ज हुए और 13 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले 1,73,238 हैं। इस बीच, ओमिक्रोन के 133 नए मामले आए हैं। राज्य में अब तक ओमिक्रोन के कुल 1009 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, राजधानी मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 20,318 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 5 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। मुंबई में कोरोना के कुल सक्रिय मामले एक लाख 6 हजार 037 (1,06,037) हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 18,802 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 8,112 लोग डिस्चार्ज हुए और 19 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। राज्य में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 62,055 हैं। कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 19,883 हो गई है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के अंदर 6,411 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 171 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 18,551 हो गई है। इनमें से होम आइसोलेशन में 18,184 लोगों को रखा गया है। हरियाणा में पिछले 24 घंटों के अंदर 3,541 कोरोना के नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 377 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। कोरोना के चलते दो की मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 13,937 हो गई है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 3,455 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की 13,066 हो गई है। कोरोना के मामलों में 7.43 प्रतिशत की सकारात्मकता दर देखी जा रही है। तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों के अंदर 10, 978 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 1,525 लोग इस संक्रमण से ठीक हुए हैं। कोरोना के चलते 10 लोगों की मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 40,260 हो गई है। केरल में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 5,944 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 2,463 लोग इस महामारी से ठीक भी हुए हैं। कोरोना के चलते 33 लोगों की मौत हुई है। राज्य में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 31,098 हैं। केरल में कोरोना से अब तक 49,547 जाने जा चुकी हैं। केरल सरकार के मुताबिक केंद्र सरकार के नए दिशानिर्देशों के अनुसार 209 लोगों की मौतों को कोविड मौतों में जोड़ा गया है।

आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 839 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 150 लोग डिस्चार्ज हुए और 2 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। राज्य में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 20 लाख 80 हजार 602 (20,80,602) हो गई है। कोरोना के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3,659 है। राज्य में अब तक कोरोना के चलते 14,503 जाने गईं हैं।

अखिलेश यादव बोले, भाजपा सरकार को विदाई देने के लिए तैयार है यूपी की जनता

लखनऊ/नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जिसके बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नियमों का पालन करेगी लेकिन चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सत्तारूढ़ पार्टी इन दिशानिर्देशों का पालन करे।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को विदाई देने के लिए तैयार हैं। चुनाव की तारीखें राज्य में एक बड़े बदलाव का प्रतीक होंगी। समाजवादी पार्टी नियमों का पालन करेगी, लेकिन चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सत्तारूढ़ दल इन दिशानिर्देशों का पालन करे। दरअसल, कोरोना महामारी के बीच उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होंगे। जिसकी पूरी जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने दी।

- ऐं ने किया तारीखों का ऐलान

चुनाव आयोग ने कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के दौरान आगामी 15 जनवरी तक जनसभाओं, साइकिल एवं बाइक रैली और पदयात्राओं पर रोक लगा दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 15 जनवरी के बाद स्थिति का जायजा लेने के उपरांत आयोग आगे का निर्णय लेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के लिए सात चरणों में सीटों का समान रूप से वितरण किया गया है, राज्य के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में मतदान के चरण पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ेंगे।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में क्रमशः 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होगा। जबकि 10 मार्च को चुनाव परिणाम सामने आएंगे।

बुल्ली बाई एप को लेकर राहुल गांधी का हमला, भाजपा ने नफरत की कई फैक्ट्री लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खबर का हवाला देकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने नफरत की कई फैक्ट्री लगाई हैं।राहुल ने टवीट किया, बुल्ली बाई एप मामले में अभियुक्तों की कम उम्र देखकर पूरा देश पूछ रहा था कि इतनी नफ़रत आती कहां से है? दरअसल भाजपा ने नफ़रत की कई फैक्ट्री लगा रखी हैं। 'टेक फॉग (एप) उनमें से एक है।' इससे पहले, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा पर 'टेक फॉग नामक एक एप के माध्यम से कुछ समुदायों, महिलाओं और विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाकर कहा था कि मामले पर उच्चतम न्यायालय को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सरकार को एप के संदर्भ में तत्काल कदम उठाना चाहिए। कांग्रेस के आरोप पर भाजपा की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कोविड से उबर चुके लोगों में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की संभावना 3 से 5 गुना अधिक : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, जो लोग कोविड-19 से उबर चुके हैं, उनमें डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन वेरिएंट से दोबारा संक्रमित होने की संभावना 3 से 5 गुना अधिक है। डब्ल्यूएचओ के यूरोप के क्षेत्रीय निदेशक हैंस हेनरी पी क्लूज के अनुसार, ओमिक्रॉन वेरिएंट लोगों में पिछली इम्युनिटी से बच सकता है।

क्लूज ने हाल के एक नोट में कहा तो यह अभी भी उन लोगों को संक्रमित कर सकता है जिनको अतीत में कोविड-19 हुआ है, जो बिना टीकाकरण वाले हैं और जिन्हें कई महीने पहले टीका लगाया गया था। उन्होंने कहा तीन चीजें हैं जो हमें तत्काल करने की आवश्यकता है- टीकाकरण के माध्यम से अपनी रक्षा करें, आगे के संक्रमणों को रोकें और मामलों में वृद्धि के लिए स्वास्थ्य प्रणाली तैयार करें।

क्लूज ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को क्षमता को मजबूत करना चाहिए, परीक्षण बढ़ाना चाहिए और क्षमताओं का पता लगाना चाहिए, मामले के प्रबंधन में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को शामिल करना चाहिए, अस्पतालों को तैयार करना चाहिए, स्वास्थ्य और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का समर्थन करना चाहिए।

यूरोप में इस हफ्ते पहली बार कोविड के मामले 10 लाख के पार पहुंचे। महामारी की शुरूआत के बाद से, यूरोप ने 100 मिलियन से अधिक कोविड मामले दर्ज किए हैं, जो दुनिया भर में सभी संक्रमणों के एक तिहाई से अधिक हैं। इस बीच, भारत ने 24 घंटों में मामलों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि इसने शुक्रवार को 1.4 लाख से अधिक ताजा कोविड संक्रमण दर्ज किए। 285 नई मौतों के साथ, मरने वालों की कुल संख्या 4,83,463 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पूरे देश में ओमिक्रॉन वेरिएंट की संख्या 3,071 तक पहुंच गई।

गोवा चुनावः भाजपा को हराने की इच्छुक किसी भी पार्टी का समर्थन लेने को हैं तैयारः चिदंबरम

पणजी/नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस आगामी गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने की इच्छुक किसी भी पार्टी का समर्थन स्वीकार करने के लिए तैयार है। उनका यह बयान तृणमूल कांग्रेस पार्टी के गोवा डेस्क प्रभारी महुआ मोइत्रा के सुझाव के तुरंत बाद आया है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) और कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए तैयार है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने आज अखबार में गठबंधन पर तृणमूल कांग्रेस का बयान पढ़ा है, आधिकारिक बयान का इंतजार करें। कांग्रेस अपने दम पर भाजपा को हराने में सक्षम है, लेकिन अगर कोई पार्टी भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस का समर्थन करना चाहती है, तो मैं क्यों ना कहूं? 2017 में 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में अधिकतम 17 सीटें जीतने के बावजूद पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस की ताकत कम हो गई।

जन हितैषी

चीन के कदम

तमाम सैन्य वार्ताओं के बावजूद पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव कायम है। चीन लगातार भारत के खिलाफ सीमा पर अपनी रणनीति बनाने में जुटा है। एलएसी पर वह सामरिक रणनीति की तैयारी के साथ निगरानी तंत्र को भी मजबूत कर रहा है। इस रणनीति में चीन ने अब पाक को भी शामिल कर लिया है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चीन ने पाक सेना के अधिकारियों को सीमा के थिएटर कमांडर के मुख्यालय में तैनात किया है। बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच खुफिया सूचनाओं को साझा करने के करार के बाद चीनी सेना ने यह कदम उठाया है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या चीन एक और युद्ध की तैयारी कर रहा है। क्या उसकी योजना किसी नए जंग की है। गलवान घाटी इलाके में चीन जिस तेजी से सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है, वे भारत के लिए चिंता पैदा करने वाली हैं। ऐसी खबरें हैं कि चीन ने इस क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास साठ हजार सैनिक तैनात कर लिए हैं। वह इस इलाके में अपना दबदबा बढ़ाने के लिए सैन्य साजोसामान पहले ही ला चुका है। स्थायी बंकर बना लिए हैं। हवाई पट्टियां बिछा ली हैं। यानी युद्ध जैसी तैयारियां कर वह भारत को उकसाने में लगा है। ऐसा वह भले अपने कब्जे वाले क्षेत्र में कर रहा हो, जिसका उसे हक भी है, पर इससे उसकी मंशा तो साफ हो गई है। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमले के बाद जो गतिरोध खड़ा हुआ है, चीन उसकी आड़ में यह सब कर रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति और प्रवृति भी रही है कि पहले घुसपैठ करो और फिर इलाके को विवादित बना कर वहां सैन्य अड्डे खड़े कर लो। हालांकि चीन की किसी भी हरकत का जवाब का जवाब देने के लिए भारतीय सेना की तैयारियां भी मामूली नहीं हैं। गलवान की घटना के बाद भारत ने इस इलाके में सेना की पहुंच आसान बनाने के लिए सड़कों के जाल सहित बुनियादी ढांचे के विकास पर काम तेज किया है और मजबूत मोर्चाबंदी कर ली है। चीन के आक्रामक रुख को देखते हुए ऐसा करना भारत के लिए जरूरी भी है।

अब एक और चौंकाने वाली बात पता चली है। हाल में उपग्रहों से मिली तस्वीरों से यह सामने आया है कि पैंगोंग झील पर चीन एक पुल भी बना रहा है। यह पुल उसके उत्तरी और दक्षिणी हिस्से को जोड़ेगा। सामरिक लिहाज से देखा जाए तो भारत के खिलाफ मोर्चाबंदी की दिशा में चीन का यह बड़ा कदम है। गौरतलब है कि पैंगोग झील का दो तिहाई हिस्सा चीन के अधिकार क्षेत्र में आता है। चीनी सैनिकों को अभी झील के एक छोर से दूसरे तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। पर पुल बन जाने के बाद यह दूरी लगभग दो घंटे में पूरी हो जाएगी। जाहिर है, चीन का इरादा आने वाले दिनों में इस इलाके में बड़े सैन्य जमावड़े का है। भारत के अलावा इस क्षेत्र में कोई दूसरा देश तो है नहीं जिसके खिलाफ उसे मोर्चा खोलना हो। यानी ये सारी तैयारियां वह भारत के खिलाफ तैयार कर रहा है।

गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमले के बाद से चीन का दिनोंदिन होता आक्रामक रवैया इस बात का प्रमाण है कि वह भारत के साथ अच्छे रिश्तों की जो बात करता है, वह महज एक दिखावा भर है। गलवान गतिरोध खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच शांति वार्ताओं के तेरह दौर हो चुके हैं। पर चीन के हठीले रवैए के कारण गतिरोध कायम है। चीन विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के बजाय हर थोड़े समय बाद कुछ न कुछ ऐसा कर डालता है जिससे भारत उकसे और कोई कदम उठाए। जैसे कि नववर्ष के मौके पर उसने उसने गलवान घाटी में अपना झंडा फहराने का वीडियो जारी कर डाला। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों के नाम चीनी और तिब्बती भाषा में रख दिए। नए साल में उम्मीद की जा रही थी कि चीन किसी सकारात्मक कदम के साथ आगे आएगा। लेकिन उसकी ताजा गतिविधियां बता रही हैं कि वह शांति के बजाय टकराव के रास्ते पर चलने का मन बना चुका है। वरना वह गलवान में सैन्य गतिविधियां बढ़ाने की दिशा में क्यों बढ़ता?

(लघुकथा) ''नियति का न्याय''

कभी-कभी हम न चाहते हुए भी किसी पर अंधा विश्वास कर जाते है। वैसे तो बढ़े-बूढ़े यानि बुजुर्ग कह गए है की हर कदम फूँक-फूँक कर रखना चाहिए, पर राम तो अपनी बेटी के विवाह के समय अपने मित्र पर अंधा विश्वास कर गया। बेटी का विवाह हो गया, पर कुछ समय पश्चात ही परिवार की संकीर्ण सोच उमा पर हावी होने लग गई। उमा सदैव ही माता-पिता के प्रति समर्पित लड़की थी। तलाक जैसे शब्द तो उसके शब्दकोष में थे ही नहीं। उमा उस परिवार में स्वयं को असहाय महसूस करने लगी, पिता के प्यार के कारण वापस घर आना भी उसे स्वीकार नहीं था। अतः अंतिम निर्णय उसने स्वयं को समाप्त करना चुना। राम को उमा के बाल्यकाल से लेकर विवाह तक की सारी यादें अंदर से झंकझोर कर रही थी की क्यों मैने पर्याप्त छानबिन के बिना उमा का रिश्ता एक गलत घर में कर दिया। राम के पैरो से तो जमीन खिसक ही चुकी थी, पर फिर भी उसने धैर्य को ही चुना और दिल पर पत्थर रखकर आगे का समय व्यतीत किया।

कानूनी कार्यवाही उसने अपनी पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर नहीं की, क्योंकि उसे डर था की यदि केस लंबा चला और बार-बार उमा के विषय में चर्चा हुई तो पत्नी का स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो जाएगा, क्योंकि वह उमा की मृत्यु के कारण पहले से ही मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो गई थी। विष का घूँट पीकर भी राम के सामने उमा के ससुराल वालों को माफ करने के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं था। कुछ समय अंतराल के पश्चात उमा के पति का पुनर्विवाह हुआ, पर वही परिवार की संकीर्ण सोच और तालमेल के अभाव में अबकी बार उमा के पति को ही अपनी जीवन लीला समाप्त करनी पड़ी। राम ने कभी भी तड़प, दुःख, संताप और संत्रास की अवस्था में कभी कोई बददुआ नहीं दी, पर नियति के न्याय ने सबकुछ स्वतः ही कर दिया। उमा तो कभी वापस नहीं आएगी पर शायद अब उस परिवार को भी संतान को खोने का पश्चाताप होगा और वह परिवार भी उमा के जाने पर जो दुःख राम के परिवार पर बिता था वह भी उस पीड़ा को महसूस करेगा।

इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है कि ईश्वर का अस्तित्व है, शायद वह परीक्षा लेता है, पर नियति के न्याय को आप नहीं ठुकरा सकते। कभी सच्चाई को मौन होना पड़ता है, पर वह कभी भी पराजित नहीं हो सकती। यह भी शाश्वत सत्य है। सदैव प्रयत्न करें की यथार्थ के धरातल पर ही किसी रिश्ते की नींव रखी जाए। ऐसे मध्यस्थ और मित्र न बनें की किसी की दुनिया में सदैव के लिए आँसुओं का बसेरा हो जाए। माता-पिता के लिए संतान को खोने से बढ़कर और कोई दुःख नहीं हो सकता इसलिए कभी किसी को पीड़ा देने में सहायक न बनें। (लेखिका-डॉ. रीना रवि मालपानी/ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

09 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.08 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	08.55 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.28 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.58 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.38 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.36 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	17.50 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.06 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.18 बजे से
		तुला	00.29 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	वृश्चिक	02.43 ब.से
		धनु	04.59 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का नौवां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 11.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 07.10 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 10.49 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 11.09 बजे तदनन्तर विष्टि 23.41 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871123 **जूलियन दिन** 2459588.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 05 **विशेष** भानु सप्तमी, गुरु गोबिंद सिंह जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खतरे के दौर में चुनाव

भारत के पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। यह चुनाव-प्रक्रिया एक माह की होगी। 10 फरवरी से 10 मार्च तक! ये चुनाव उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में होंगे। इन पांचों राज्यों के चुनाव का महत्व राष्ट्रीय चुनाव की तरह माना जा रहा है, क्योंकि इन चुनावों में जो पार्टी जीतेगी, वह 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अपना रंग जमा सकती है। दूसरे शब्दों में ये प्रांतीय चुनाव, राष्ट्रीय चुनाव के पूर्व राग सिद्ध हो सकते हैं। इन पांचों राज्यों में यों तो कुल मिलाकर 690 सीटे हैं, जो कि विधानसभाओं की कुल सीटों का सिर्फ 17 प्रतिशत है लेकिन यदि इन सीटों पर विरोधी दलों को बहुमत मिल गया तो वे अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन जाएंगे।

चुनाव आयोग ने इन चुनावों की घोषणा करते हुए बड़ी सावधानियों का परिचय दिया है। उसने अभी एक हफ्ते के लिए रैलियों, प्रदर्शनों, सभाओं, जत्थों आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है लेकिन मुझे लगता है कि यह प्रतिबंध आगे भी बढ़ेगा, क्योंकि जिस रफ्तार से महामारी फैल रही है, यह चुनाव स्थगित भी हो सकता है। आयोग ने अपने सभी चुनाव कर्मचारियों का टीकाकरण कर दिया है लेकिन करोड़ों मतदाताओं से महामारी-प्रतिबंधों के पालन की आशा करना आकाश में फूल खिलाने जैसी हसरत है। हमने पहले भी बंगाल और बिहार के चुनावों में भीड़ का बर्ताव देखा और पिछले एक- डेढ़ माह से इन राज्यों में भी देख रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि अगले हफ्ते का प्रतिबंध खुलते ही महामारी का दरवाजा भी खुल जाए।

हो सकता है कि प्रतिबंधों को आगे बढ़ाया जाए और राजनीतिक दलों से कहा जाए कि वे लाखों की भीड़ जुटाने की बजाय चुनाव-प्रचार डिजिटल विधि से करें ताकि लोग घर बैठे ही नेताओं के भाषण सुन सकें ! यह सोच तो बहुत अच्छा है लेकिन देश के करोड़ों गरीब, ग्रामीण और अशिक्षित लोग क्या इस डिजिटल विधि का उपयोग कर सकेंगे? यह ठीक है कि इस विधि का प्रयोग उम्मीदवारों का खर्च घटा देगा। सबसे ज्यादा खर्च तो सभाओं, जुलूसों और लोगों को चुनावी लड्डू बांटने में ही होता है। इससे भ्रष्टाचार जरुर घटेगा लेकिन लोकतंत्र की गुणवत्ता भी घटेगी। हो सकता है कि इन चुनावों के बाद डिजिटल प्रचार, डिजीटल मतदान और डिजीटल परिणाम की कुछ बेहतर व्यवस्था का जन्म हो जाए।

चुनाव आयोग यदि इस तथ्य पर भी ध्यान देता तो बेहतर होता कि पार्टियां मतदाताओं को चुनावी रिश्वत नहीं देती। पिछले एक माह में लगभग सभी पार्टियों ने बिजली, पानी, अनाज, नकद आदि रुपों में मतदाताओं के लिए जबर्दस्त थोक रियायतों की घोषणा की है। यह रिश्वत नहीं तो क्या है? जो लोग करदाता हैं, उनकी जेबें काटने में नेताओं को ज़रा भी शर्म नहीं आती। आम लोगों को इसी वक्त ये जो चूसनियां बाटी गई हैं या उनके वादे किए गए हैं, आयोग को उस पर भी कुछ कार्रवाई करनी चाहिए थी। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

मंदिरों में भगदड़ की घटनाएं और बेमौत मरते श्रध्दालू ?

नव वर्ष 2022 पर वैष्णो देवी के दर्शन के लिए भवन पर उमड़ी भारी भीड़ से भगदड़ मच गई।दर्दनाक मंजर था।लाशों के ढेर लग गए।दर्जनों लोग बेमौत मारे गए।कैसी विडंबना है कि मनोकोमना के लिए गए श्रध्दालूओं को मनोकोमना के बदले मौत की सौगात मिली।यह बहुत ही दुखद हादसा है। ताजा घटनाक्रम में शुक्रवार को आधी रात को एक तंग जगह पर दर्शन के लिए आगे बढ़ रहे और वापस लौट रहे श्रध्दालूओं में धक्का मुक्की होने के कारण स्थिीति बिगड़ गई।और भगदड़ मच गई इस भगदड़ में 14 श्रध्दालूओं की दर्दनाक मौत हो गई तथा 16 श्रध्दालू घायल हो गए।वैष्णो देवी में यह पहला हादसा हुआ है। आधी रात को चारों तरफ चीखों पुकार मच गई।लोग बदहवाश अपने बच्चों को ढूंढ रहे थे।श्रध्दालू दब रहे थे। देश के मदिरों में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और श्रध्दालू बेमौत मर रहे हैं।इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में श्रध्दालू आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। आंकड़ों के अनुसार 3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेश के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। वर्ष 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मौत हुई थी।2019में तामिलनाडू के मुथैयापलयम में स्थित करुपन्ना स्वामी मंदिर में भगदड़ मचने से चार महिलाओं समेत सात श्रध्दालूओं की दर्दनाक मौत हो गई थी। तथा 10 अन्य घायल हो गए थे। सिक्कों के वितरण के लिए आयोजित सामारोह पीदीकासू में अचानक भगदड़ मचने से सात महिलाएं बेमौत मारी गइ थीं।यह बहुत ही दुखद हादसा था। वर्ष 2018 में नवरात्रि की नवमी पर मध्यप्रदेश के दतिया जिले में स्थित प्रसिध्द रतनगढ़ देवी मंदिर में देखने को मिला था जहां पुल टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण 91 श्रध्दालूओं की दर्दनाक मौत हो गई थी और 150 से ज्यादा घायल हो गये थे मरने वालों में 30 बच्चे व 42 महिलाएं शामिल थी। काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। मंदिरों में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हसे चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। हर साल श्रध्दालू मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं, मनोकामना तो पुरी नहीं होती मगर उन्हे मौत जरुर मिलती है। आकडे बतातें है कि वर्ष 2008 में भी नवमी को भी इसी जगह पर नदी में डूबने से लगभग 100 श्रध्दालूओं की असमय मौत हो गई थी। रविवार को घटित इस मेले में लाखों श्रध्दालू आए थे बेचारे पल भर में लाशों में बदल गए। मंदिर अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। रविवार को मंदिर परिसर में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। श्रध्दालूओं का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरां तले कुचल दिए गए तो कुछ की नदी में डूबने से मौत हो गई थी। ,श्रध्दालू बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे। मध्यप्रदेश सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। सात साल पहले 2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। अब प्रशासन मृतकों को डेढ लाख दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारों द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महरराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसों को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें।वक्त अभी संभलने का है। (लेखक-नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

आज का इतिहास 9 जनवरी

- 1664 सूरत अभियान के बाद शिवाजी वापस लौटे.
- 1719 फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
- 1792 रूसी तुर्की युद्ध समाप्त हुआ.
- 1913 अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का जन्म.
- 1915 दक्षिण अफ्रीका से गांधीजी मुंबई पहुंचे.
- 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीकी फौजों ने लुजोन,फिलीपींस पर हमला किया.
- 1968 अमरीकी सर्वेयर 7 चांद पर उतरा.
- 1973 श्वेत शासित रोडेशिया ने जांबिया के साथ अपनी सीमाएं सील की.
- 1980 चेक लेखक कारेल का जन्म.
- 1982 भारत के वैज्ञानिक अटलांटिका पहुंचने में सफल हुए.
- 1989 अफगान युद्ध समाप्त करने के बारे में सोवियत संघ और मुजाहिदीनों के बीच बातचीत टूट गई.
- 1990 रोमानिया के पूर्व मंत्री ने रहस्योद्घाटन किया कि सैनिकों को प्रदर्शनकारियों पर हमला करने का आदेश राष्ट्रपति निकोलाई चासेसकू ने दिया था.
- 1991 खाड़ी संकट के बारे में अमरीका विदेश मंत्री जेम्स बेकर और इराकी विदेश मंत्री तारिक अजीज के बीच बातचीत हुई.
- 1992 बोस्निया हर्जेगोविना के सर्वो ने अलग राज्य की घोषणा की.
- 1993 सरकारी सेना ने मध्य अंगोला में यूनिटा विद्रोहियों के मुख्यालय पर कब्जा किया.
- 2004 भारतीय कंपनियों को विदेशों में 100 प्रतिशत निवेश की छूट.
- 2005 केंद्र सरकार ने सुनामी जैसी आपदाओं को देखते हुए एक राष्ट्रीय आपदा प्रबंध प्राधिकरण बनाने का फैसला किया.

ब्रह्मांड की शुरुआत से ही ब्लैक होल मौजूद रहे होंगे

-क्या सुलझ गया ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य

वॉशिंगटन (ईएमएस)। ब्रह्मांड को लेकर खगोल वैज्ञानिकों से लेकर आमजन तक जिज्ञासाओं का सिलसिला लगातार जारी है। ब्लैक होल अंतरिक्ष में मौजूद वे स्थान हैं जहां बेहद उच्च गुरुत्वाकर्षण ऊर्जा मौजूद होती है। कोई भी चीज इनके आरपार नहीं जा सकती, यहां तक कि प्रकाश भी इनसे होकर नहीं गुजर सकता है। ब्लैक होल हमेशा से ही खगोल विज्ञान की सबसे रहस्यमय चीजों में से रहे हैं और इनकी उत्पत्ति सबसे बड़ा सवाल रहा है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि सुपरमैसिव ब्लैक होल उन प्राइमॉर्डियल ब्लैक होल से बने होंगे जो बिग बैंग के ठीक बाद अस्तित्व में आए थे। ब्रह्मांड का निर्माण कैसे हुए? इसके लिए एक वैकल्पिक मॉडल में खगोलविदों की एक टीम का प्रस्ताव है कि सुपरमैसिव ब्लैक होल और डार्क मैटर दोनों को तथाकथित 'प्राइमॉर्डियल ब्लैक होल' से समझा जा सकता है। उनके मॉडल से पता चलता है कि ब्रह्मांड की शुरुआत से ही ब्लैक होल मौजूद थे। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर ज्यादातर ब्लैक होल बिग बैंग के तुरंत बाद बने तो वे समय के साथ अधिक से अधिक विशाल ब्लैक होल बनाते हुए, प्रारंभिक ब्रह्मांड में विलय होते चले गए।

अध्ययन के सह-लेखक गुंथर हसिंगर कहते हैं कि विभिन्न आकार के ब्लैक होल आज भी एक रहस्य हैं। हमें नहीं समझ आता कि ब्रह्मांड के अस्तित्व में आने के बाद उपलब्ध अपेक्षाकृत कम समय में सुपरमैसिव ब्लैक होल इतने विशाल कैसे हो सकते हैं। अध्ययन इस तथ्य की ओर भी इशारा करता है कि अगर सुपरमैसिव ब्लैक होल मौजूद हैं, तो बहुत छोटे ब्लैक होल भी हो सकते हैं। छोटे ब्लैक होल केवल प्राइमरी ब्लैक होल हो सकते हैं जो अभी तक बड़े ब्लैक होल में विलीन नहीं हुए हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि इस मॉडल के अनुसार ब्रह्मांड एक दिन हर तरफ ब्लैक होल से भर जाएगा। अमेरिकी खगोलशास्त्री एडविन हबल ने 20वीं शताब्दी में सबसे पहले देखा था कि आकाशगंगाएं हमसे दूर हो रही हैं। वे जितना दूर जा रही हैं उतनी तेजी से चल रही हैं। इस खोज ने यह पुष्टि की थी कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है, हालांकि वैज्ञानिक इसके पीछे के कारकों को स्पष्ट करने में असमर्थ रहे हैं। अमेरिका भर के अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने 100 साल पुरानी हबल की थ्योरी के आधार पर एक चौंकाने वाली खोज की है।

मानोआ में हवाई विश्वविद्यालय, शिकागो विश्वविद्यालय और एन आर्बर में मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का मानना है कि उन्होंने ब्रह्मांड की इस पहेली को सुलझा लिया है। एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में कुछ महीने पहले प्रकाशित एक रिसर्च में, वैज्ञानिकों ने प्रस्तावित किया था कि ब्रह्मांड के विस्तार से ब्लैक होल अधिक विशाल हो सकते हैं। ब्लैक होल अपनी ओर आने वाले प्रकाश को अवशोषित कर लेते हैं इसलिए उन्हें नंगी आंखों नहीं देखा जा सकता। कुछ ब्लैक होल का आकार सूर्य से 50 से 100 गुना बड़ा हो सकता है।

बेन स्टोक्स ने 3 साल और 38 पारी के बाद जड़ा सैकड़ा

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया में चल रही एशेज श्रंखला में लगातार पराजय का मुंह देखने के बाद इंग्लैंड के लिए खुश खबर आई है। इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने सिडनी में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन शतक जड़ा। यह मौजूदा एशेज सीरीज में इंग्लैंड की तरफ से पहली सेंचुरी है। यह उनके करियर का सातवां और ऑस्ट्रेलिया में दूसरा शतक है। एशेज सीरीज में इंग्लैंड के लिए पिछली बार शतक बेन स्टोक्स ने ठोका था। उन्होंने अगस्त 2019 में लीड्स टेस्ट में 135 रन की पारी खेली थी। तब स्टोक्स के शतक से इंग्लैंड 1 विकेट से टेस्ट जीता था। स्टोक्स के बाद अब बेयरस्टो ने एशेज सीरीज में इंग्लैंड के लिए शतक जड़ा है।

एशेज सीरीज के सिडनी टेस्ट में जॉनी बेयरस्टो का शतक इसलिए भी खास है। क्योंकि तीसरे दिन इंग्लिश टीम पर फॉलोऑन खतरा मंडरा रहा था। वो जब बल्लेबाजी के लिए उतरे, तब इंग्लैंड ने 36 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इंग्लिश कप्तान जो रूट भी बिना खाता खोले आउट हो गए थे। अब सारा दारोमदार बेयरस्टो और बेन स्टोक्स पर था। दोनों ने शुरू में संभलकर खेला और फिर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई। स्टोक्स तो अपना अर्धशतक पूरा करके आउट हो गए। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 176 गेंद में 128 रन की अहम पार्टनरशिप हुई। स्टोक्स 66 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जोस बटलर भी आउट हो गए। लेकिन बेयरस्टो एक छोर से डटे रहे। उनके अंगूठे पर पैट कमिंस की एक गेंद लगी। दर्द से छटपटाते रहे। लेकिन मोर्चा संभाले रखा और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 3 साल और 38 पारी के बाद सैकड़ा जड़ा है। इस इंग्लिश बल्लेबाज ने पिछला शतक नवंबर 2018 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में ठोका था। तब इंग्लैंड ने टेस्ट मैच जीता था।

इस पारी की मदद से बेयरस्टो ने ना सिर्फ उन्होंने इंग्लैंड पर मंडरा रहे फॉलोऑन का खतरा टाला। बल्कि अपने टेस्ट करियर को भी एक तरह से बचा लिया। बेयरस्टो इस पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर कितना हावी थे। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने सिर्फ 138 में अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। बेयरस्टो ने स्टोक्स के बाद मार्क वुड के साथ भी सातवें विकेट के लिए 72 गेंद पर 72 रन की साझेदारी की। बेयरस्टो तीसरे दिन 103 रन बनाकर नाबाद रहे। अगर वो चौथे दिन मार्क वुड के साथ अपनी इस साझेदारी को बढ़ाने में सफल रहते हैं तो फिर इंग्लैंड इस मैच में अच्छी वापसी हो जाएगी। क्योंकि मेहमान टीम अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है।

शब्द पहेली - 7162

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -7161 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

श्रीलंकाई बल्लेबाज गुनाथिलका ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा का किया ऐलान

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई बल्लेबाज गुनाथिलका ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कहने का बड़ा ऐलान किया है।श्रीलंका के बल्लेबाज दनुष्का गुणथिलाका ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। कथित तौर पर 30 वर्षीय बल्लेबाज ने सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास ले लिया। गुणथिलाका ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2018 में खेला था जबकि उन्होंने कुल आठ मैचों में 299 रन बनाए हैं। उन्होंने 61 के सर्वश्रेष्ठ के साथ 2 अर्धशतक लगाए। हालांकि उनका सीमित ओवरों का करियर अधिक फलदायी रहा है। उन्होंने 44 एकदिवसीय मैचों में 36.19 की औसत से 1520 रन बनाए हैं जबकि 30 टी20 इंटरनेशनल्स मैचों में 121.62 के स्ट्राइक रेट से 568 रन बनाए हैं। गुणथिलका के साथ कुसल मेंडिस और निरोशन डिकवेला को श्रीलंका क्रिकेट द्वारा तीनों प्रारूपों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से एक साल के निलंबन का सामना करना पड़ा। तीनों खिलाड़ियों पर बायो-बबल प्रोटोकॉल के उल्लंघन के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। एसएलसी ने शुक्रवार को तीनों खिलाड़ियों से प्रतिबंध हटा लिया।

इटली वेरगानी कप इंटरनेशनल शतरंज में ईरान के तबातबाई ने बनाई एकल बढ़त

काटोलिका (ईएमएस)। इटली वेरगानी कप अंतरराष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा के छठे दौर में सबसे आगे चल रहे उक्रेन के ग्रांड मास्टर बेर्नदिस्किय वितालय को प्रतियोगिता में पहली हार चखाते हुए ईरान के ग्रांड मास्टर अमीन ताबतबाई ने अब एकल बढ़त हासिल कर ली है जबकि वितालय अब संयुक्त दूसरे स्थान पर सरक गए है। सफ़ेद मोहरो से खेल रहे वितालय को वारे ओपनिंग जैसी कमजोर लाइन चुनना भारी पड़ा और अमीन नें मात्र 33 चालों में उन्हे हार स्वीकार करने पर विवश कर दिया। बोर्ड पर नंबर 2 से लेकर पांच तक क्रमशः स्पेन के डेनियल अलसिना नें उक्रेन के अंटोन कोरोबोव से फ्रांस के मकसीम लागरदे ने ग्रीस के कोटरोनियस वसीलोइस से, इटली के लोरनेज़ों लोदीकी नें डेन्मार्क के जेसपेर थ्याबों से और भारत के भारत सुब्रमण्यम ने हमवतन रोहित ललित बाबू से मुक़ाबला ड्रॉ खेला। कल बड़ा उलटफेर करने वाले भारत के प्राणीत वुपाला को इंग्लैंड के दिग्गज ग्रांड मास्टर नाइजल शॉर्ट से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारत के अर्जुन कल्याण नें हमवतन नीलोत्पल दास को पराजित किया। भारत की पूर्व विश्व जूनियर विजेता सौम्या स्वामीनाथन उक्रेन की अनसतासिया रखमनगुलोवा को पराजित किया। छह राउंड के बाद भारत के ललित, अर्जुन और भारत 4.5 अंक पर तो प्राणीत और सौम्या 4 अंक बनाकर खेल रहे है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने की थी रिश्वत की पेशकश, कहा था- हमारे घर जला दिए जाएंगे : शेन वॉर्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष गेंदबाज शेन वॉर्न क्रिकेट के अपने खेल कौशल से मैदान पर जितना चर्चा में रहे। मैदान के बाहर भी उतने ही निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहे। करियर के दौरान विवादों में रहने वाले वॉर्न संन्यास के बाद भी इससे पीछा नहीं छुड़ा पाए। एक बार फिर वो चर्चा में हैं और इस बार मैच फिक्सिंग को लेकर उन्होंने सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें रिश्वत का ऑफर दिया गया था। उनका कहना है कि मैच में खराब प्रदर्शन करने के लिए उन्हें कहा गया था। अमेजन प्राइम पर आने वाली डॉक्यूमेंट्री शेन में उन्होंने इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा है कि 1994 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच के चौथे दिन उन्हें 2 लाख 76 हजार डॉलर की रिश्वत की पेशकश की गई थी और ये ऑफर पाकिस्तानी कप्तान सलीम मलिक ने दिया था। सलीम मलिक ने उनसे कहा था कि उन्हें मुझसे मिलना है। वॉर्न ने कहा कि हमें पूरा भरोसा था कि हम मेजबान को हरा देंगे।

दिग्गज गेंदबाज ने कहा कि वो मलिक से मिले भी और दोनों बैठकर मैच को लेकर बात करने लगे। मैंने कहा कि हां मुझे लगता है कि कल हम जीत जाएंगे। इसके बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कहा कि हम नहीं हार सकते। आप नहीं जानते कि अगर हम घर में ही हार गए तो हमारे घर जला दिए जाएंगे। वॉर्न ने कहा कि इसके बाद मलिक ने मुझे और मेरे साथी खिलाड़ी टीम को रिश्वत ऑफर की। साथ ही मुझे वाइड डालने के लिए कहा गया। वॉर्न ने कहा कि मलिक की इस बात को सुनकर वो हैरान रह गए और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को कहा कि नहीं, हम तुमको हराएंगे। इसकी जानकारी कप्तान मार्क टेलर, कोच बॉब टेलर को दी और मैच रेफरी तक भी यह बात पहुंची। साल 2000 में मलिक पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में ख्वाजा ने दूसरी पारी में भी शतक ठोककर बनाया रिकार्ड

सिडनी (ईएमएस)। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। उस्मान ख्वाजा को 2019 के बाद एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में पहली बार प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया और इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेजोड़ सेंचुरी ठोकी। उसके बाद दूसरी पारी में भी तूफानी अंदाज में शतक जड़ दिया। उन्होंने 131 गेंदों में 10 चौके और 2 छक्के की मदद से शतक पूरा किया। उन्होंने पहली पारी में 260 गेंदों में 13 चौके की मदद से 137 रन की पारी खेली थी। ख्वाजा इसके साथ ही उन खास प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने का कमाल किया है।

वह सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर किसी टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले सिर्फ तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के केविन डगलस वॉल्टर्स ने 1969 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 242 और 103 रन की पारी खेली थी, जबकि पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 120 और नाबाद 142 रन बनाए थे। जब वह 101 रन पर थे तभी कैमरून ग्रीन (72) और एलेक्स कैरी (0) का विकेट गिरते ही ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी 6 विकेट पर 256 रनों पर घोषित कर दी। इस तरह इंग्लैंड को 388 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला है। ख्वाजा को ट्रेविस हेड के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण ही टीम में जगह मिली थी।

पाकिस्तानी मूल के उस्मान ख्वाजा ने इस मौके के दोनों हाथों से भुनाया और दोनों पारियों में सेंचुरी ठोक दी। मार्नस लाबुशेन के आउट होने के बाद बैटिंग करने आए उस्मान ने तेजी से रन बनाए। 206 गेंद में 137 रन की पारी के दौरान 35 वर्षीय उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सूत्रधार की भूमिका निभाई। स्टीव स्मिथ (67) के साथ शतकीय साझेदारी की। एक छोर से विकेट गिरते देख ख्वाजा ने 201 गेंद में 11 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया, उन्हें 30 के स्कोर पर जीवनदान मिला था जब जैक लीच की गेंद पर जो रूट ने उनका कैच छोड़ा था। उस्मान ख्वाजा ने अपनी इस पारी के साथ 3000 टेस्ट रन भी पूरे किए। सात घंटे की उनकी पारी का अंत स्टुअर्ट ब्रॉड ने किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉट बोलैंड (36/4) के दमदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पहली पारी 294 रनों पर समेट दी है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर जारी एशेज सीरीज के चौथे दिन के पहले ही घंटा में इंग्लैंड के बचे हुए 3 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। तीसरे दिन शतक बनाकर नाबाद रहने वाले जॉनी बेयरस्टॉ ने 158 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 113 रन की पारी खेली, जबकि पैट कमिंस और नाथन लियोन ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए।

स्टीव स्मिथ ने किया कमाल, महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन की बराबरी पर पहुंचे

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का के चौथे टेस्ट मैच में कमाल करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। उन्होंने पहली 141 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 67 रन और दूसरी पारी में 31 गेंदों पर 23 रन बनाए। दूसरी पारी में वह भले ही असफल रहे हो, लेकिन उन्होंने महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ 3000 या उससे अधिक रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए है। और वह इस मामले में डॉन ब्रैडमैन की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। स्टीव स्मिथ एशेज में 3000 रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। वह एशेज सीरीज के इतिहास में 3000 या उससे जयादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले सर डॉन ब्रैडमैन, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। औसत के मामले में वह ब्रैडमैन के बाद दूसरे नंबर पर हैं। स्टीव स्मिथ का औसत 62 का है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ 3000 रन बनाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्होंने अपने करियर में इंग्लैंड के खिलाफ 2983 रन बनाए हैं। स्मिथ के ही हमवतन डॉन ब्रैडमैन (1928-1948) 5028 रनों के साथ टॉप पर हैं।

पूर्व कप्तान स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले 7वें बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ के 81 टेस्ट मैचों में अबतक 7697 रन हो चुके हैं। टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबालों की लिस्ट में उन्होंने मौजूदा हेड कोच जस्टिन लैंगर को पीछे छोड़ दिया है। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अभी 168 टेस्ट मैचों में 13368 रनों के साथ शीर्ष पर हैं।

केपटाउन में टीम इंडिया के पास होगा द. अफ्रीका की धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का मौका

केपटाउन (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला केपटाउन के मैदान पर खेला जाएगा। भारत ने सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराया था। इसके बाद जोहान्सबर्ग में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पलटवार करते हुए भारत को 7 विकेट से पराजित कर दिया था।

सीरीज 1-1 से बराबर है। टीम इंडिया के पास अब भी दक्षिण अफ्रीका की धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। भारतीय कप्तान विराट कोहली और हेड कोच राहुल द्रविड़ केपटाउन के मैदान पर इतिहास रचना चाहेंगे। हालांकि, भारत ने इस मैदान पर आज तक कोई टेस्ट मैच नहीं जीता है। टीम इंडिया ने केप टाउन में अब तक 5 टेस्ट मैच खेले हैं। भारतीय टीम ने एक बार भी यहां जीत का स्वाद नहीं चखा है।

इस मैदान पर भारत ने दो मुकाबले ड्रॉ कराए हैं, जबकि तीन में उसे करारी शिकस्त का झेलनी पड़ी है। भारतीय टीम ने आखिरी बार साल 2018 में इस मैदान पर विराट कोहली की कप्तानी में टेस्ट मैच खेला था तो उसे 72 रन से हार मिली थी। केप टाउन के मैदान पर भारत ने पहली बार जनवरी 1993 में टेस्ट मैच खेला था।

जवागल श्रीनाथ की घातक गेंदबाजी और सचिन तेंदुलकर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरी बार भारत 1997 में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में खेला। इस मुकाबले में सचिन तेंदुलकर (169) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (113) के शतकों के बावजूद भारत को 282 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी इस मैदार पर बतौर कप्तान हारे थे। 2007 में दक्षिण अफ्रीका ने 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2011 में यहां टेस्ट मैच ड्रॉ करने में सफल रही। सचिन तेंदुलकर ने इस मुकाबले में 146 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा गौतम गंभीर ने पहली पारी में 93 जबकि दूसरी पारी में 64 रन बनाकर भारत को हार से बचाया था। केप टाउन में आखिरी बार साल 2018 में भारतीय टीम ने बेहद खराब प्रदर्शन किया था। टीम पहली पारी में 209 और दूसरी पारी में 135 रन पर आउट हो गई थी। हार्दिक पंडया ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे। विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे फ्लॉप रहे थे।

श्रीनगर में भारी बर्फबारी के कारण सभी निर्धारित उड़ानें रद्द

श्रीनगर(ईएमएस)त श्रीनगर में भारी बर्फबारी के कारण यहां हवाईअड्डे पर दृश्यता कम हो गई जिससे शनिवार को सभी निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गईं. इस कारण कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच हवाई संपर्क टूट गया।

शुक्रवार को दोपहर बाद शुरू हुई बर्फबारी कश्मीर घाटी के अधिकतर स्थानों पर दिन भर जारी रही। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने कहा, ठश्रीनगर हवाईअड्डे पर चलने वाली सभी 40 उड़ानों को बर्फबारी के कारण रद्द करना पड़ा।ठ उन्होंने कहा कि बर्फबारी से हवाईअड्डे पर दृश्यता 600 मीटर से भी कम हो गई है।

अधिकारी ने कहा कि कम दृश्यता से संबंधित समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा। उन्होंने लहा कि इस साल नवंबर तक हवाईअड्डे पर एक उन्नत उपकरण लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) स्थापित किया जाएगा।

अधिकारी ने यात्रियों को अपनी उड़ानों को पुनर्निर्धारित करने की सलाह दी, जो एयरलाइनों द्वारा मुफ्त में की जाएगी। उन्होंने कहा, ठयदि यात्री अपनी यात्रा रद्द करने का फैसला करते हैं तो वे पूर्ण धन-वापसी के हकदार हैं।ठ

कश्मीर से आने-जाने वाला हवाई यातायात पिछले कुछ दिनों में बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कम दृश्यता के कारण बड़ी संख्या में या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में बीती रात न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उत्तरी पाकिस्तान में भारी हिमपात के कारण कारों में फंसे 21 पर्यटकों की मौत,

कराची । उत्तरी पाकिस्तान में भारी हिमपात के कारण कारों में फंसे 21 पर्यटकों की मौत हो गई। करीब 1000 वाहन अभी तक फंसे हुए हैं। राजधानी इस्लामाबाद से 64 किलोमीटर दूर पूर्वोत्तर में स्थित मुरी को सरकार ने आपदा क्षेत्र घोषित किया है। हजारों की संख्या ये पर्यटक हिमपात का आनंद लेने हिल स्टेशन मुरी पहुंचे थे।

पर्यटकों की संख्या पर काबू पाने के लिए शुक्रवार को सरकार ने हिल स्टेशन जाने वाले सभी मार्गो को बंद कर दिया। प्रधानमंत्री इमरान खान ने पर्यटकों की मौत पर गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है, 'जांच का आदेश दिया है और इस तरह की त्रासदी रोकने के लिए कठोर नियम लागू किए गए हैं।'

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने वीडियो संदेश में कहा है कि 15-20 वर्षो में पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में पर्यटक मुरी पहुंचे हैं। करीब 1000 कारें फंसी हुई हैं। 21 से लोगों की मौत हो चुकी है। नागरिक प्रशासन की मदद करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है।

सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने लोगों से हिल स्टेशन न आने की अपील की है। मंगलवार की रात से शुरू हुई बर्फबारी नियमित अंतराल पर जारी है, जिसने हजारों पर्यटकों को आकर्षित किया है। यात्रियों की भारी भीड़ के कारण कई परिवार सड़कों पर फंस गए हैं।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि 1,00,000 से अधिक वाहन हिल स्टेशन में पहुंचे हुए हैं। इंटरनेट मीडिया पर शेयर हुए एक वीडियो में बच्चों सहित पूरा परिवार बर्फ से ढके अपने वाहन में मृत मिले हैं। वहीं, अभी स्थानीय अधिकारियों ने मौतों के कारणों के बारे में कुछ नहीं बताया है।

दक्षिणी चीन के कैफेटेरिया में विस्फोट, 16 लोगों की मौत

बीजिंग (ईएमएस)। दक्षिण पश्चिम चीन में शुक्रवार को एक कार्यालय के कैफेटेरिया में दोपहर के भोजन के समय हुए विस्फोट में 16 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए हैं। चोंगकिंग शहर के प्रशासन ने एक ऑनलाइन बयान में कहा विस्फोट का कारण गैस रिसाव हो सकता है। विस्फोट में कैफेटेरिया ढह गया जिससे पीड़ित अंदर फंस गए।

बचावकर्मियों ने पीड़ितों को तलाशने के लिए रात में मलबे को हटाने का काम किया और आधी रात तक सभी शव बरामद कर लिए गए। शिन्हुआ के अनुसार, जीवित बचे लोगों में से एक की हालत गंभीर है। वूलोंग डिस्ट्रिक्ट के एक सरकारी कार्यालय में दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर विस्फोट हुआ। यह डिस्ट्रिक्ट चोंगकिंग शहर के केंद्र से लगभग 75 किलोमीटर पश्चिम में है और अपनी सुंदर कार्स्ट रॉक संरचनाओं के लिए जाना जाता है।

पिछले साल एलआईसी की आय में आई गिरावट, निजी कंपनियों को मुनाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीवन बीमा कंपनियों की दिसंबर 2021 में नई पॉलिसी प्रीमियम आय एक साल पहले के लगभग समान स्तर पर रहते हुए 24,466.46 करोड़ रुपए रही है। बीमा नियामक इरडा ने दिसंबर के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस महीने में नई पॉलिसी के प्रीमियम के रूप में 24 जीवन बीमा कंपनियों की संग्रहीत रकम स्थिर रही। दिसंबर 2020 में 24,383.42 करोड़ रुपए का प्रीमियम जमा हुआ था। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के मुताबिक दिसंबर में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी का नए कारोबार का प्रीमियम संग्रह 20.30 फीसदी गिरकर 11,434.13 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी मार्च में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में जुटी हुई है। इसके ??विपरीत देश में सक्रिय बाकी 23 जीवन बीमा कंपनियों का नई पॉलिसी वाली प्रीमियम आय दिसंबर 2021 में 29.83 फीसदी बढ़कर 13,032.33 करोड़ रुपए पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आय 10,037.72 करोड़ रुपए रही थी। निजी बीमा कंपनियों में एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ की नई प्रीमियम आय 55.67 फीसदी बढ़कर 2,973.74 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसबीआई लाइफ की नई प्रीमियम आय 26.72 फीसदी बढ़कर 2,943.09 करोड़ रुपए हो गई। हालांकि आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ की नई प्रीमियम आय दिसंबर 2020 की तुलना में 6.02 फीसदी गिरकर 1,380.93 करोड़ रुपए पर आ गई। इसी तरह कोटक महिंद्रा लाइफ, ऐगॉन लाइफ, फ्यूचर जनरली की नई प्रीमियम आय भी घटी है। अप्रैल-दिसंबर 2021 में कुल मिलाकर सभी जीवन बीमा कंपनियों का पहले साल का प्रीमियम 7.43 फीसदी बढ़कर 2,05,231.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान एलआईसी की नई प्रीमियम आय 3.07 फीसदी गिरकर 1,26,015.01 करोड़ रुपए रही।

लंदन से आई 190 यात्रियों की फ्लाइट में 25 यात्री निकले कोरोना संक्रमित

अमृतसर (ईएमएस)। इटली के बाद शनिवार को लंदन से आई 190 यात्रियों की फ्लाइट में से 25 यात्री कोरोना संक्रमित हैं। संक्रमित यात्रियों को उनके जिलों में भेजने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है, इससे पहले गुरुवार तथा शुक्रवार को क्रमवार इटली से आई फ्लाइट में से 125 यात्री कोरोना संक्रमित थे। जानकारी अनुसार पंजाब में लगातार ओमीक्रोन प्रभावित देशों से आने वाली फ्लाइट में से कोरोना के मरीज पंजाब में आ रहे हैं। इटली से बड़ी तादाद में पंजाब आए विदेशी यात्रियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद शंका के घेरे में आई स्पाइसजेट कंपनी के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए थे और कंपनी के टेस्टिंग कार्यों पर रोक लगा दी गई थी।

शनिवार सुबह से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भसीन पैथ लैब द्वारा अपना कार्य किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि भसीन पैथ लैब की मशीनरी अति आधुनिक तकनीकों से लैस है और पहले भी यह पारदर्शी ढंग से एयरपोर्ट पर काम कर चुकी है।

ड्रैगन के फर्जी वीडियो के बाद नई चाल, 10 टॉप यूजर्स को गलवान घाटी के पत्थर उपहार में देगा

बीजिंग (ईएमएस)। ड्रैगन लद्दाख में एक बार फिर भारत को उलझाने के प्रयास में लग गया है और प्रौपोगेंडा फैलाने की कोशिश कर रहा है। फर्जी वीडियो जारी करने के बाद अब चीनी सेना अपने नागरिकों को गलवान का पत्थर गिफ्ट करने की योजना बना रही है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के वेस्टर्न थियेटर कमांड ने 1 फरवरी से लोगों को गलवान घाटी के पत्थरों को गिफ्ट देने का ऐलान किया है। चीनी सेना की वेस्टर्न थियेटर कमांड ने अपने एक सोशल प्लेटफॉर्म विवो पर जारी करते हुए एक बैनर को पब्लिश किया है। इसके साथ ही इसमें कहा गया है कि 1 फरवरी को इस पोस्ट को शेयर करने वाले 10 भाग्यशाली लोगों को उपहार के रूप में गलवान का पत्थर भेजा जाएगा। इस पोस्टर में चीनी सैनिक किसी पहाड़ी इलाके में एक नदी के किनारे गश्त लगाते हुए नजर आ रहे हैं। चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड ने सोशल अकाउंट से शेयर की गई पोस्ट में चीनी भाषा में लिखा था 'शानदार परिदृश्य, एक इंच नहीं छोड़ना है।' गलवान घाटी में 15 जून की रात को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद चीनी सरकार का भारत को उकसाने वाला यह नया प्रयास है। 15 जून की रात को हुए संघर्ष में भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे जबकि चार चीनी सैनिक भी मारे गए थे।

डीजीजीआई के पास कर चोरी मामलों की कार्रवाई का रिकॉर्ड नहीं!

नागपुर (ईएमएस)। जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने वित्त वर्ष 2020-21 तक छह साल में कर अपवंचना के 9,359 करोड़ रुपए के 158 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। हालांकि, महानिदेशालय के पास इस बात की जानकारी नहीं है कि इन मामलों में क्या हुआ है, क्योंकि वह इसका रिकॉर्ड नहीं रखता है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी से यह खुलासा हुआ है। शहर के आरटीआई कार्यकर्ता अभय कोलारकर ने डीजीजीआई से इस बारे में एकीकृत रूप से जानकारी मांगी थी। डीजीजीआई द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार वित्त वर्ष 2014-15 से 2020-21 तक 9,358 करोड़ रुपए के 158 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। हालांकि आरटीआई को लेकर जो जवाब दिया गया है उसमें न तो यह बताया गया है कि कितने कारण बताओ नोटिस (एससीएन) का अधिकारियों ने निपटान किया, कितनी राशि वसूली गई और कितनी राशि के मामले अभी लंबित हैं। कोलारकर ने बताया कि जवाब में स्पष्ट कहा गया है कि इस तरह का कोई आंकड़ा नहीं है। जुलाई, 2017 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था लागू होने से पहले डीजीजीआई केंद्रीय उत्पाद आसूचना महानिदेशालय (डीजीसीईआई) के रूप में काम करता था।

पांच फीसदी महंगा हुआ क्रूड ऑयल

मुंबई (ईएमएस)। क्रूड ऑयल की कीमत में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। वै?श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम साल के पहले सप्ताह में पांच फीसदी तक बढ़ चुके हैं। वैसे शुक्रवार को बाजार बंद होने से पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 82 डॉलर से नीचे आ गए हैं। गौरतलब है ?कि 2021 में क्रूड ऑयल की कीमत में 50 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला था। आईओसीएल के अनुसार देश के चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए प्रति लीटर पर हैं। वहीं दूसरी ओर कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 104.67 रुपए, 109.98 रुपए और 101.40 रुपए प्रति लीटर हैं। वहीं नई दिल्ली में डीजल के दाम 86.67 रुपए, कोलकाता में 89.79 रुपए, मुंबई में 94.14 रुपए और चेन्नई में 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं।

कोलंबिया में विक्टर एस्कोबार को दी गई इच्छामृत्यु, लाइलाज बीमारी से जूझ रहे थे

बोगोटा (ईएमएस)। एक दुर्लभ, दर्दनाक और लाइलाज बीमारी से जूझ रहे विक्टर एस्कोबार को हमेशा के लिए चैन की नींद सुला दिया गया। वह कोलंबिया के पहले नागरिक बने, जिसे मौत के करीब न होने के बावजूद भी इच्छामृत्यु दी गई।एस्कोबार ने कहा था, मैं बहुत शांति महसूस करता हूं। मेरे साथ जो होने वाला है, मुझे उससे डर नहीं लगता है। उन्होंने मुझे बताया कि पहले मुझे धीरे-धीरे बेहोश किया जाएगा,तब मेरे पास अलविदा कहने का वक्त है। उसके बाद इच्छामृत्यु का इंजेक्शन दिया जाएगा जो दर्दरहित होगा, एक बहुत शांतिपूर्ण मौत। मुझे भगवान पर भरोसा है कि सब कुछ ऐसा ही होगा।'' उनके वकील लुइस गिराल्डो ने बताया कि प्रक्रिया पूरी होकर एस्कोबार की मौत हो चुकी है। देश की अदालत ने जुलाई में फैसला देकर इच्छामृत्यु के नियमों में बदलाव किया था और उन लोगों के लिए भी इच्छामृत्यु के दरवाजे खोल दिए थे जो एक गंभीर और लाइलाज बीमारी के कारण गहन शारीरिक और मानसिक पीड़ा झेल रहे हैं, चाहे उनकी मौत करीब न हो। हालांकि, कैथोलिक चर्च इस फैसले के विरोध में है।

कैली में अपने अपार्टमेंट में एस्कोबार ने कहा, एक दरवाजा खुल गया है ताकि मेरे जैसे मरीज को गरिमापूर्ण तरीके से मरने का अवसर मिले। मॉर्फिन जैसी दवा भी उनके दर्द को कम नहीं कर पा रही थी और उन्होंने बताया कि अन्य दवाएं भी उनके शरीर पर असर नहीं कर पा रही थीं।वह 2008 से बीमार थे, जब दो बार आघात आने से उनके आधे शरीर को लकवा मार गया। हालांकि बाद में कुछ अंगों ने काम करना शुरू कर दिया लेकिन उन्हें सांस लेने में रुकावट पैदा करने वाली फेफड़ों की बीमारी, हाइपरटेंशन, मधुमेह, गंभीर गठिया जैसे रोगों ने जकड़ लिया और एक दुर्लभ बीमारी भी हो गई। जिसमें पसलियां वक्ष की ऊपरी हड्डी से जुड़ जाती है, जिससे दर्दनाक सूजन होती है।

उत्तरी नाइजीरिया में 3 दिन चली हिंसा में 100 से अधिक लोगों की मौत

माकर्डी (ईएमएस)। नाइजीरिया के अशांत उत्तरी क्षेत्र में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह जानकारी हमले में बचे लोगों ने दी है। अधिकारी शवों की तलाश में लगे हुए हैं और तीन दिनों तक चली हिंसा के संदिग्धों की भी तलाश शुरू कर दी गई है। जामफारा राज्य के अंका और बुक्कुयुम में बड़ी संख्या में मंगलवार शाम डकैत पहुंचे और उन्होंने गुरुवार तक जमकर गोलीबारी की तथा इस दौरान उन्होंने सैकड़ों घरों को आग के हवाले दिया। यह जानकारी बुक्कुयुम के निवासी अबुबकर अहमद ने दी।

अहमद ने बताया उन्होंने 100 से अधिक लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा घटना में करीब नौ समुदाय प्रभावित हुए हैं। अंका के निवासी अलीयु अंका ने भी पुष्टि की कि मरने वालों की संख्या 100 से अधिक है। उन्होंने कहा एक गांव में उन्होंने 20 वर्ष एवं अधिक उम्र के लोगों की हत्या की। कुछ लोगों को दफना दिया गया, कुछ लोगों को जला दिया गया और हम अब भी शवों की तलाश कर रहे हैं। किसी भी समूह ने अभी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

माना जाता है कि यह उन हथियारबंद समूहों का काम हो सकता है जिसने पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के उत्तर-पश्चिम और मध्य राज्यों में हजारों अपहरण और हत्याएं की हैं। जानकारी के लिए जमफारा आयुक्त इब्राहिम दोसारा ने बताया कि वे हताहतों की संख्या सहित घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा फिलहाल, सुरक्षा बलों के साथ एक सैन्य विमान को तैनात किया गया है और हमलावरों की तलाश जारी है।

अफ्रीका का सबसे अधिक आबादी वाला देश के अशांत उत्तरी क्षेत्र में इस तरह के हिंसक हमलों पर काबू पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन नवीनतम घटना हाल के वर्षों में सबसे घातक घटनाओं में से एक है। नाइजीरिया में अधिकारियों ने दावा किया कि वे सशस्त्र समूहों के खिलाफ लड़ाई में सफलता दर्ज कर रहे हैं।

ब्रिटेन में एक घंटे की मजदूरी 1000 से भी ज्यादा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना काल में ब्रिटेन में कर्मचा?रियोंय की संख्या में भारी ??गिरावट आ गई है, जिससे वहां कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसके मद्देनजर देश की दूसरी सबसे बड़ी सुपरमार्केट चेन सेंसबरी ग्रॉसरी डिलिवरी ड्राइवर्स की प्रति घंटा मजदूरी 12 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया है। साथ ही सबसे कम पैसा पाने वाले दुकानदार में काम कर रहे कर्मचा?रियों की मजदूरी भी पांच फीसदी बढ़ाई जा रही है। सेंसबरी के सुपरमार्केट्स में शॉप वर्कर्स की बेसिक पे अभी 9.50 पाउंड है जो 6 मार्च से बढ़कर 10 पाउंड यानी उन्हें हर घंटे काम के लिए 1000 रुपए मिलेंगे। कंपनी का कहना है कि मजदूरी बढ़ाने से उस पर करीब 10 करोड़ पाउंड का बोझ पड़ेगा। ग्रॉसरी डिलिवरी ड्राइवर्स की हर घंटे की मजदूरी 11.50 पाउंड हो जाएगी। ब्रिटेन में अप्रैल से न्यूनतम मजदूरी 8.91 पाउंड से बढ़कर 9.50 पाउंड हो जाएगी। यह 25 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए है। कुछ प्रमुख कंपनियां क्वालिफाइड लॉरी ड्राइवर्स को 1000 पाउंड और उससे ज्यादा का साइनिंग-ऑन बोनस दे रही है। लेकिन कोरोनावायरस के ओमीक्रोन वैरिएंट के पैर पसारने से देश में मजदूरों का टोटा पड़ गया है। लाखों लोग कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए छुट्टी पर चले गए हैं। सेंसबरी के एक प्रमुख अ?धिकारी ने कहा कि हम अपने साथियों के लिए यह अहम निवेश कर रहे हैं। हम उन्हें दिखाना चाहते हैं कि हमारे लिए उनकी क्या अहमियत है। यह इस बात का भी सबूत है कि हमारी योजना अच्छे ढंग से आगे बढ़ रही है। ब्रिटेन के सुपरमार्केट सेक्टर में सेंसबरी की 16 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी स्थापना 1869 में जॉन जेम्स सेंसबरी ने की थी।

श्रीलंका ने चीनी कंपनी को 69 लाख डॉलर का भुगतान किया

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के एक शीर्ष सरकारी बैंक ने चीनी कंपनी के साथ उसके उर्वरक खेप पर लंबे समय से चल रहे विवाद को निपटाने के लिए 69 लाख डॉलर का भुगतान कर दिया। श्रीलंका के इसे दूषित पाए जाने के बाद चीन से आयातित खेप को लेने से इनकार कर दिया था। कोलंबो वाणिज्यिक उच्च न्यायालय द्वारा आयातित उर्वरक के लिए किंगदाओ सीविन बायोटेक को भुगतान पर रोक के आदेश को खारिज करने के बाद यह घोषणा हुई है। चीनी कंपनी और श्रीलंका सरकार के बीच इस मुद्दे पर समझौते के बाद पूर्व आदेश को खारिज किया गया। सरकारी स्वामित्व वाली सीलोन फर्टिलाइजर कंपनी ने जैविक उर्वरक के आयात पर चीनी कंपनी को भुगतान को रोकने के लिए अदालत से आदेश हासिल कर लिया था। उर्वरक को जांच में दूषित पाया गया था। इस आदेश के तहत पीपुल्स बैंक ऑफ श्रीलंका ने चीनी कंपनी को कर्ज सुविधा के तहत भुगतान करने से मना कर दिया था। समझौते की शर्तों पर सहमति बनने के बाद ही यह फैसला आया। अधिकारियों ने कहा कि श्रीलंका ने चीनी कंपनी की तरफ से गहन जन संपर्क के बाद भुगतान करने पर सहमति जताते हुए आयात को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

अफगान सीमा पर बढ़ते तनाव से घबराये इमरान

- तालिबान को मनाने खास सिपाहसालार को भेज रहे काबुल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बाड़ को लेकर बढ़ते तनाव से प्रधानमंत्री इमरान खान घबराए हुए हैं। यही कारण है कि आनन-फानन में उन्होंने पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मुईद यूसुफ को तालिबान को मनाने के लिए काबुल भेजने का ऐलान किया है। आसिफ गफूर के आईएसआई चीफ के पद से छुट्टी के बाद एनएसए मुईद यूसुफ के काबुल भेजने के फैसले की पाकिस्तान में भी खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, इमरान खान इससे पहले तालिबान को मनाने के लिए अपने खास रहे लेफ्टिनेंट जनरल आसिफ गफूर को काबुल भेजा करते थे लेकिन आईएसआई चीफ के पद से उनकी छुट्टी होने और पाक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ संबंधों में तनाव के बाद इमरान खान अब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ की काबिलियल पर ही निर्भर हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी एनएसए अपने दौरे में तालिबान के साथ सीमा पर बाड़ लगाने के विवाद को हल करने की कोशिश करेंगे। यूसुफ को काबुल भेजने का फैसला अफगानिस्तान अंतर-मंत्रालयीन समन्वय प्रकोष्ठ की हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया।

पाक सरकार के मुता?बिक एनएसए के नेतृत्व में पाकिस्तानी अधिकारियों का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल सभी सहायता संबंधी विषयों पर अफगान सरकार के साथ आगे साझेदारी के लिए जल्द ही अफगानिस्तान की यात्रा कर सकता है। खबर के अनुसार एनएसए की यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। हालांकि सूत्रों ने संकेत दिया कि यात्रा 17 से 18 जनवरी के दौरान हो सकती है। तालिबान ने अफगान सीमा पर पाकिस्तान की बाड़बंदी पर कड़ा एतराज जताते हुए जंग की धमकी दी है। तालिबान शुरू से ही पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच की सीमा यानी डूरंड लाइन को नहीं मानता है। उसका दावा है कि अफगानिस्तान का इलाका वर्तमान सीमा के काफी आगे तक है। यह इकलौता ऐसा मुद्दा है, जिस पर अफगानिस्तान की पूर्व नागरिक सरकार और तालिबान एकमत थे। अफगानिस्तान के बहुसंख्यक पश्तून और तालिबान ने कभी भी डूरंड लाइन को आधिकारिक सीमा रेखा नहीं माना है। तालिबान के शीर्ष प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान पर कब्जे के तुरंत बाद कहा था कि नई अफगान सरकार इस मुद्दे पर अपनी रूख का ऐलान करेगी। उन्होंने दावा किया था कि पाकिस्तान की बनाई बाड़ ने लोगों को अलग कर दिया है और परिवारों को विभाजित कर दिया है। हम सीमा पर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं, इसलिए अवरोध पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

कोरोना का संक्रमण तेज, भारत में अगले महीने तक चरम पर होगा ओमिक्रोन

-ध्वस्त होंगे सारे रिकार्ड

वॉशिंगटन (ईएमएस)। पूरी दुनिया में कोरोना एक बार कहर बरपा रहा है भारत में भी हर रोज कोरोना के मरीजों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। राज्यों द्वारा नए-नए प्रतिबंध भी लगाए जा रहे हैं। इस बीच एक और डराने वाली खबर सामने आई है। एक यूएस-आधारित स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार भारत में अगले महीने तक कोरोना मामलों की संख्या चरम पर पहुंच जाएगी, देश में प्रति दिन पांच लाख मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस बार देश में ओमिक्रोन वैरिएंट की गंभीरता डेल्टा की तुलना में कम होगी। इंस्टीटयूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के निदेशक और वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मेट्रिक्स साइंसेज के अध्यक्ष क्रिस्टोफर मरे ने कहा कि भारत समेत दुनिया भर के देश में ओमिक्रॉन वेव आने वाली है और उनका अनुमान है कि इस बार डेल्टा लहर की तुलना में प्रति दिन अधिक मामले होंगे, लेकिन ओमिक्रोन का असर बहुत कम गंभीर होगा और सारे रिकार्ड भी टूट सकते हैं।

क्रिस्टोफर मरे के अनुसार वर्तमान में उनके पास एक मॉडल हैं जिन्हें वह बाद में जारी करेंगे, उनके अनुसार चरम पर लगभग पांच लाख मामलों के आने की उम्मीद हैं, जो अगले महीने में ही आ सकते हैं। विशेषज्ञ के अनुसार भारत में हाईब्रिड इम्युनिटी है जिसके कारण ओमिक्रोन कम प्रभावी होगा। डॉ मरे ने कहा कि टीकाकरण गंभीर बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु से काफी सुरक्षा प्रदान करेगा, यही वजह है कि भारत में ओमिक्रोन के कई मामले होंगे, लेकिन डेल्टा लहर की तुलना में बहुत कम अस्पताल में भर्ती होंगे। अस्पताल में भर्ती होने की संख्या और विविधता की गंभीरता के बारे में बोलते हुए मरे ने कहा कि 85.2 फीसद संक्रमणों में कोई लक्षण नहीं होगा। लेकिन मामलों की फिर भी काफी संख्या होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ओमिक्रोन 90 से 95 प्रतिशत कम गंभीर है, लेकिन अभी भी विशेष रूप से वृद्ध व्यक्ति बीमार हो सकते हैं।

यह भारतीय स्टार्ट अप जमीन की तरह समुद्र में खेती करने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। समुद्र में पौधों से मिलने वाले बहुत से पदार्थ और एलगी का इस्तेमाल अभी तक फ्लेवर सूप और खाने-पीने की चीजों के लिए होता था, लेकिन कॉस्मेटिक से लेकर टेक्सटाइल और बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग के साथ बायोफ्यूल तक सीवीड से बनाए जा सकते हैं। सीवीड के नाम से जाने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल कई तरीके से होता है। आमतौर पर सीवीड को समुद्री सिवार या शैवाल कहा जाता है। यूरोप और अमेरिका आदि में सी वीड गार्डेनिंग में काफी समय से इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी अब इसका प्रयोग बढ़ रहा है। आमतौर पर सी वीड या शैवाल समुद्र पर फैलाई गई रस्सी या जाल पर उगाई जाती है। इस तरीके से बहुत बड़े पैमाने पर शैवाल की खेती करना तकरीबन नामुमकिन है।

बेंगलुरु के स्टार्टअप ने समुद्र में खेती करने का नया तरीका ढूंढ लिया है। बेंगलुरु की सी सिक्स एनर्जी के अधिकारी ने कहा कि समुद्र की सतह पर खेती करने के कई नए तरीके विकसित हो सकते हैं, जिससे बड़ी मात्रा में उपयोगी पदार्थ उगाए जा सकते हैं। बेंगलुरु का स्टार्ट अप जमीन पर ट्रैक्टर की मदद से की जाने वाली खेती की तरह समुद्र में भी फार्मिंग करना चाहता है।इसके लिए इन्होंने सी कंबाइन तैयार किया है। सी कंबाइन वास्तव में ऑटोमेटेड कैटामारन है जो समुद्र से सी वीड की कटाई करता है, उनकी जगह दोबारा नए पौधे रोप देता है। यह मशीन वास्तव में सीवीड को एक लाइन से काटता चला जाता है। पूरी तरह विकसित हो चुके प्लांट को काटने और उसकी जगह नए बीज या पौधे लगाने का काम यह बहुत अच्छे से करता है।कंपनी के सीवीड फार्म को इनदिनों इंडोनेशिया के समुद्री तट पर देखा जा सकता है। इंडोनेशिया में ग्रामीण इलाके के लोग परंपरागत तरीके से सीवीड की खेती करते रहे हैं। वहां सीवीड की खपत भी बहुत अधिक है। नई तकनीक और बड़े बाजार की वजह से कंपनी और अधिक सी कंबाइन खरीद कर भारत में भी सीवीड की खेती करना चाहती है।

28 वर्षीय व्यक्ति ने दिया बच्ची को जन्म! चिकित्सक भी अचंभित

लंदन (ईएमएस)। ऊपर वाले की लीला कोई नहीं समझ सकता विज्ञान भी उसके आगे फेल है इसका उदाहरण हम आपको देने वाले है। साइंस के इन बदलावों से कोई लोग खुश होते है तो किसी को यह बदलाव पंसद नहीं आता है। ऐसा ही एक बदलाव साइंस ने अमेरिका के एक 28 साल के शख्स के साथ कर दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 28 साल के इस शख्स को अचानक पता चलता है कि वह प्रिग्नेंट है। बता दें कि, इस शख्स ने साल 2020 में एक बेटी को जन्म दिया है। वेस्ट वर्जिनिया के 28 साल के ऐश पैट्रिक स्कैड ने एक बेटी को जन्म दिया है। ऐश का जन्म एक महिला के रूप में हुआ था लेकिन वह खुद को एक पुरुष जैसा महसूस करते थे और इसी कारण वह एक पुरुष बनना चाहते थे। साल 2020 से कुछ साल पहले से वह टेस्टेस्टेरॉन और ऑस्ट्रोजेन ब्लॉकर का सेवन कर रही थी। यह दवाइंया ट्रांजिशन की होती है और इन्हीं का सेवन करने के बाद वह ट्रांजिशन करना चाहती थी। इसी बीच साल 2020 में उन्हें एक सरप्राइज मिल जाता है कि वह गर्भवती हैं।

ऐश एक पीएचडी स्टूडेंट और मेंटल हेल्थ वर्कर के तौर पर काम करती है। ऐश ने बताया कि, एक डेटिंग ऐप को दौरान वह एक शख्स से मिली थी जिसके साथ उन्होंने एक रात भी गुजारी थी। जब ऐश को अपनी प्रेंगनेंट होने का पता चला तो वह काफी चौक गई और उन्होंने उसी वक्त अपने हॉर्मोन ट्रीटमेंट को रोक दिया। ऐश ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया जिसका नाम उन्होंने रोनन रखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐश अपने जेंडर को लेकर बहुत समय से परेशान थे और वह यह तय नहीं कर पा रहे थे कि उन्हें महिला रहना है या पुरुष। जब ऐश को अपने गर्भवती होने का पता चला तो उन्होंने तय किया कि वह इस बच्चे को जन्म देंगी। साल 2020 में लॉकडाउन का समय था और उनका यह समय काफी मजेदार भी रहा। इस दौरान उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया और साथ ही उसका पालन-पोषण किया। ऐश इस समय अपने पति जॉर्डन के साथ रहते हैं जो बच्चे का काफी ध्यान रखते हैं। डॉक्टर्स भी ये जानकर हैरान थे कि ऐश कैसे प्रेग्नेंट हुई।

सार्क समिट को लेकर भारत पर बाधा डालने का पाकिस्तान ने लगाया आरोप

- पाक ने कहा, भारत के अदूरदर्शी रवैये से क्षेत्रीय सहयोग का बेशकीमती मंच खो रहा अपना महत्व

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने सार्क समिट को लेकर भारत पर बाधा डालने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत के अदूरदर्शी रवैये के कारण क्षेत्रीय सहयोग का यह बेशकीमती मंच तेजी से अपना महत्व खो रहा है। पाकिस्तान ने कुछ दिन पहले ही भारत को वर्चुअली तरीके से आगामी सार्क समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल है। यह संगठन साल 2016 से बहुत प्रभावी नहीं है और साल 2014 में काठमांडू में हुए द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद से इसका कोई सम्मेलन नहीं हुआ है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि भारत का दक्षेस प्रक्रिया में बाधा डालना एक स्थापित तथ्य है। वहीं भारत ने गुरुवार को कहा था कि उस स्थिति में कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ है, जिससे रुके हुए दक्षेस शिखर सम्मेलन को आयोजित किया जा सके। इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि इस्लामाबाद शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तैयार है और अगर भारत व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं लेना चाहता है तो वह इसमें ऑनलाइन शामिल हो सकता है।

कुरैशी के बयान पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा था कि हमने दक्षेस शिखर सम्मेलन के बारे में पाकिस्तान के विदेश मंत्री की टिप्पणियों के संबंध में मीडिया की खबरें देखी हैं। आप इस पृष्ठभूमि से अवगत हैं कि 2014 के बाद से दक्षेस शिखर सम्मेलन क्यों नहीं हुआ। तब से स्थिति में कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए, अभी भी कोई आम सहमति नहीं है, जो शिखर सम्मेलन आयोजित करने की अनुमति देती हो। इफ्तिखार ने बागची के बयान को झूठ बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने एक बयान में कहा कि भारत ने अपने पक्षपातपूर्ण कारणों से प्रेरित होकर तथा चार्टर प्रावधानों का उल्लंघन कर 2016 में पाकिस्तान में होने वाले 19वें दक्षेस शिखर सम्मेलन को बाधित किया था। इफ्तिखार ने कहा भारत का अदूरदर्शी रवैया क्षेत्रीय सहयोग के इस मूल्यवान मंच को तेजी से पंगु बना रहा है। साल 2016 का दक्षेस शिखर सम्मेलन मूल रूप से 15-19 नवंबर को इस्लामाबाद में आयोजित होना था, लेकिन उस वर्ष 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की थी। बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी इस्लामाबाद में सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद सम्मेलन को रद्द कर दिया गया था।

गुजरात में कोरोना के 5677 नए मामले, 1359 लोग ठीक होकर घर लौटे, कोई मौत नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है और रोजाना केसों में लगातार एक हजार से अधिक वृद्धि हो रही हैं शनिवार को राज्यभर में कोरोना के 5677 नए मामले सामने आए, वहीं 1359 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए राहत बात यह है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई राज्य में रिकवरी रेट घटकर 98.14 प्रतिशत हो गया हैं आज राज्यभर में किशोरों समेत 3.07 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2521 और सूरत कॉर्पोरेशन में 1578 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 271, राजकोट कॉर्पोरेशन में 166, वलसाड में 116, राजकोट में 91, आणंद में 87, सूरत में 83, खेड़ा में 64, कच्छ में 63, भावनगर कॉर्पोरेशन में 62, जामनगर कॉर्पोरेशन में 53, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 51, अहमदाबाद में 46, भरुच में 41, मेहसाणा में 41, वडोदरा में 38, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 36, गांधीनगर में 30, मोरबी में 26, नवसारी में 26, दाहोद में 21, जामनगर में 20, अमरेली में 19, बनासकांठा में 14, महीसागर में 14, भावनगर में 13, देवभूमि द्वारका में 13, पंचमहल में 13, सुरेन्द्रनगर में 13, गिर सोमनाथ में 9, अरवल्ली में 8, साबरकांठा में 8, छोटाउदेपुर में 5, तापी में 5, जूनागढ़ में 4, डांग में 3, पोरबंदर में 3 और पाटन में 2 केस दर्ज हुए हैं जबकि बोटाद और नर्मदा जिले कोरोना से अब तक सुरक्षित है, जहां एक भी केस दर्ज नहीं हुआ राज्य में अब तक 1359 लोग कोरोना से स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए राज्य में अब तक 822900 कोरोना को मात दे चुके हैं जबकि 10128 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी हैं राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 22901 हो गई है, जिसमें 22876 स्टेबल हैं और 25 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं गुजरात में आज 307013 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 11 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 264 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 11657 को पहली और 30372 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई वहीं 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 84644 को पहला और 87484 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 92581 किशोरों को कोरोना की पहली वैक्सीन लगाई गई राज्य में अब तक 9 करोड़ 30 लाख 25 हजार 350 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

गुजरात में ओमिक्रॉन के 32 नए मामले, कुल 236 में 167 लोग हुए ठीक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के साथ ही उसके नए वेरिएन्ट भी अपने पैर पसार रहा हैं शनिवार को राज्यभर में ओमिक्रॉन के 32 नए मामलों के साथ कुल केसों की संख्या 236 हो गई है, जिसमें 167 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए पिछले 24 घंटों में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 12 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए वहीं आणंद में 5, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 5, मेहसाणा में 3, भरुच में 2, राजकोट में 1, बनासकांठा में 1, कच्छ में 1, अहमदाबाद में 1 और अमरेली में 1 समेत राज्यभर में ओमिक्रॉन के अब तक कुल 236 केस दर्ज हो चुके हैं कोरोना की तरह ओमिक्रॉन के भी सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 105 केस दर्ज हुए हैं जबकि वडोदरा कॉर्पोरेशन में 35, आणंद में 23, सूरत कॉर्पोरेशन में 20, मेहसाणा में 7, राजकोट में 7, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, कच्छ में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4, भरुच में 4, बनासकांठा में 2, अमरेली में 2, वडोदरा में 1, पोरबंदर में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1, जामनगर में 1 और अहमदाबाद में 1 समेत राज्यभर में कुल दर्ज 236 मामलों में 168 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए हैं

राज्य के तीन शहरों की छह टाउन प्लानिंग स्कीम को दी मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद की एक प्रिलिमनरी नगर नियोजन योजना (टीपी स्कीम), दो फाइनल टीपी स्कीम, सूरत की एक प्रिलिमनरी टीपी स्कीम, एक फाइनल टीपी स्कीम और वडोदरा की एक ड्राफ्ट टीपी स्कीम को मंजूरी दी है। भूपेंद्र पटेल ने जिन दो प्रिलिमनरी टीपी स्कीम को मंजूरी दी है उसमें अहमदाबाद में अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा) के अंतर्गत टीपी स्कीम नं. 429 (गोधावी-मणिपुर) और सूरत महानगर पालिका की टीपी स्कीम नं. 71 (वड़ोद) शामिल है। इसी तरह स्वीकृत की गई एक ड्राफ्ट टीपी स्कीम में वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण (वूडा) की टीपी स्कीम नं. 43 (उंडेरा-अंकोडिया) का समावेश होता है। मुख्यमंत्री ने जिन तीन फाइनल टीपी स्कीम को मंजूरी दी है उसमें सूरत की टीपी स्कीम नं. 26 (सिंगणपुर) और अहमदाबाद की टीपी स्कीम नं. 4-ए (साणंद) तथा स्कीम नं. 94 (हाथीजण-रोपड़ा) शामिल है। वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण की ड्राफ्ट टीपी स्कीम नं. 43 के मंजूर होने से 22.18 हेक्टेयर जमीन, अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण की प्रिलिमनरी टीपी स्कीम नं. 429 मंजूर होने से 55.47 हेक्टेयर और सूरत मनपा की प्रिलिमनरी टीपी स्कीम नं. 71 के मंजूर होने से 15.83 हेक्टेयर जमीन प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री द्वारा इन टीपी स्कीमों को मंजूरी दिए जाने से प्राप्त होने वाली जमीन पर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए रिहायशी आवास, खुली जगह और बाग-बगीचों का निर्माण हो सकेगा साथ ही आधारभूत सुविधाओं के खर्चे से निपटने को बिक्री के लिए जमीन भी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने इन टीपी स्कीमों को मंजूर कर गुजरात के शहरों के विकास को गतिशील रखने के राज्य सरकार के संकल्प को साकार किया है।

हाईकोर्ट द्वारा फटकार लगाई

आदेश का पालन नहीं करने वाले अफसरों पर हाईकोर्ट की नाराजगी

चीफ जस्टिस ने फटकार लगाते हुए कोर्ट के आदेश के बावजूद भी रकम नहीं भरने के कारण इसके ब्याज का भार सरकार पर पड़ता है

अहमदाबाद, ८ जनवरी।

अब गुजरात हाईकोर्ट ने कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने वाले सरकारी अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की है। चीफ जस्टिस ने फटकार लगाते हुए कोर्ट के आदेश के बावजूद भी रकम नहीं भरने के कारण इसके ब्याज का भार सरकार पर पड़ता है। जो केवल करदाताओं की राशि से जाता है।

इसलिए ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उन्हें निलंबित किया जाए। अदालत की अवमानना के आदेश पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता मुख्य न्यायाधीश ने लोक अभियोजक से मुख्य सचिव को उपस्थित रहने को कहा है। बाद में महाधिवक्ता को बुलाकर सरकारी अधिकारियों के रवैये की ओर ध्यान दिलाया और कहा कि आदेश के अनुपालन को लेकर अधिकारी २०-२५ पेज का हलफनामा दाखिल कर अदालत को गुमराह कर रहे हैं। साथ ही हर साल ब्याज भुगतान में करोड़ों रुपये का नुकसान होता है, ऐसा नहीं होना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से सरकार पर आर्थिक बोझ पड़ता है। जिसके लिए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो अवमानना मामले में सचिव को उपस्थित होना पड़ेगा।

महाधिवक्ता ने अदालत से यह भी कहा कि ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी और इस पर विचार किया जाएगा। मोरबी के सिंचाई विभाग में कार्यरत कर्मचारियों ने सेवा के १५ वर्ष पूरे कर लेने के बाद उन्हें स्थायी करने और उसी के अनुसार लाभ देने के लिए आवेदन किया था। इस मामले में एकल न्यायाधीश की पीठ ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाया और आपको स्थायी करने और दो महीने के भीतर सभी लाभों का भुगतान करने का आदेश दिया है।

इसके साथ ही दो महने के भीतर आदेश का पालन नहीं करने पर राशि ब्याज सहित देने को भी कहा। जिसका पालन नहीं करने पर याचिकाकर्ता ने कोर्ट के आदेश की अवमानना करने की मांग की। जिसके बाद विभाग ने अन्य लाभ की पेशकश की लेकिन ब्याज का लाभ और छुट्टी को नकद में बदलने का प्रावधान नहीं किया, जिसका अदालत ने विरोध किया।

IISC और ISI नाम की संस्था के सर्वे में डरावने निष्कर्ष

अकेले गुजरात में रोजाना ५० हजार कोरोना के केस आएंगे

अहमदाबाद, ८ जनवरी।

अकेले गुजरात राज्य में रोजाना ५० हजार केस दर्ज किए जाएंगे। ऐसा इङ्डस्ष्ट और ङ्डस्ष्ठ नाम की संस्था के सर्वे में डरावने निष्कर्ष सामने आया है।

अहमदाबाद में रोजाना कोरोना के २१ हजार केस दर्ज हो सकते हैं। सायन्टिफिक मेथेडोलोजी से यह संस्था द्वारा बड़े शहरों में दैनिक केस का अनुमान निकाला गया है।

१ मार्च तक में कोरोना के केस दो आंकड़े में आ जाने की संभावना है। देश में बढ़ रहे कोरोना और ओमीक्रॉन के केस मामले में किए गए रिसर्च में निष्कर्ष निकाला गया है कि, केस बढ़ने की हाल की गति देखते हुए २५ जनवरी के बाद गुजरात में रोजाना ५० हजार से ज्यादा और अहमदाबाद में २१ हजार से ज्यादा केस आ सकते है। हालांकि राज्य में टेस्टिंग कितने होते है इस पर यह आंकड़ा निर्भर है। इङ्डस्ष्ट और ङ्डस्ष्ठ के रिसर्चरों ने गुजरात सरकार के हेल्थ विभाग संलग्न इंस्टीट्यूट को भी यह रिपोर्ट दिया है। अब राज्य हेल्थ विभाग अलग-अलग रिसर्च मॉडल आधार पर फिर से संशोधन करके रिपोर्ट सरकार के समक्ष पेश करेगा। राज्य सरकार के सीनियर डॉक्टर भी आगामी १५ जनवरी के बाद अहमदाबाद में ६ हजार से ज्यादा केस आने का अनुमान लगा रहे हैं। सीनियर डॉक्टरों का कहना है कि, गुजरात में कोरोना केस बढ़ने की शुरूआत हो चुकी है। २५ से ३० जनवरी के दौरान कोरोना का पीक देखने को मिलेगा। उस समय में अधिकतम केस दर्ज किए जाएंगे और इसके बाद धीरे-धीरे केस की संख्या कम होती जाएगी। पहली मार्च तक में कोरोना के केस दो आंकड़े में आ जाएगा। इस बीच गुजरात में आखिर में जिसका इंतजार किया जा रहा था इसकी घोषणा राज्य सरकार द्वारा की गई है। क्योंकि गुजरात में ६ जनवरी को ४२१३ केस और ७ जनवरी को ५३९६ केस दर्ज होने पर नियंत्रण लगाये जाएंगे ऐसी अपेक्षा रही थी। अब राज्य सरकार ने गत दिन नई कोरोना गाइडलाइन की घोषणा करने पर राज्य के १० शहरों में रात के १० से सुबह के ६ बजे तक नाइट कर्फ्यू घोषित किया गया है।

१० हजार के सामने ४३ हजार को सहायता दी गई

कोविड मौत में राज्य के अपने ही दो आंकड़े में विरोधाभास

गुजरात सरकार द्वारा राज्य में कोरोना से मौत के आंकड़े छिपाने का आरोप लगते रहे हैं

अहमदाबाद, ८ जनवरी।

भारत, कनाडा और यूएस के संशोधकों द्वारा एक संशोधन पेपर तैयार किया गया है। जो पेपर बताता है कि गुजरात में कोविड-१९ की दूसरी लहर जबकि अपने चरण पर थी यह अप्रैल-मई २०२१ के दौरान एक तरह से सभी प्रकार की मौत २०१८-१९ में दर्ज हुए औसत मासिक मृत्युदर की तुलना में २३० फीसदी ज्यादा था। यह संशोधन पत्र में अनुमान के अनुसार गुजरात में प्रति महीने औसत १७,००० दर्ज होते मौत आंकड़े में बढ़ोतरी होकर अप्रैल-मई २०२१ के दौरान प्रति महीने ३९,००० मौत दर्ज किए गए थे। अब दूसरी लहर के पीक समय के सर्वे के अनुसार यह मौत आंकड़े अन्य १६ भारतीय राज्यों की अपेक्षा सबसे ज्यादा था। इंटरनेशनल जर्नल साइंस में प्रकाशित हुए संशोधन पत्र में दावा किया गया है कि पूरे भारत की औसत मृत्युदर अप्रैल-मई २०२१ के दौरान १२० फीसदी बढ़ गया था। यह दो महीने में देश में मौत औसत ३.७५ लाख से बढ़कर ४.५ लाख हो गई थी। यह रिसर्च साइंस पेपर-इसकी वेबसाइट पर प्रीप्रिन्ट के तौर पर उपलब्ध है-दावा करता है कि कोरोना की दूसरी लहर में सरकार द्वारा जारी किए गए देशभर में करीब ४.८ लाख मौत के आधिकारिक आंकड़े सामने वास्तविक आंकड़ा करीब ३० लाख हो सकता है यह आधिकारिक आंकड़े की अपेक्षा करीब ६-७ गुना ज्यादा है। यह संशोधन पत्र कोविड मोटालिटी इन इंडिया :नेशनल सर्वेक्षण डेटा एंड हेल्थ फेसिलिटी डेथ्स नाम से साइंस जर्नल के हाल के अंक में प्रकाशित हुआ है और यह कनाडा, भारत और यूएस के ११ संशोधकों द्वारा डेटा जमा करके लिखा गया है। यह संशोधकों में यूनिवर्सिटी ऑफ टोरन्टो के डाला लाना स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रभात झा और अहमदाबाद आईआईएम के चिन्मय तुम्बे भी शामिल है। महत्व का है कि गुजरात में कोरोना का आधिकारिक मौत आंकड़ा १०,१२० बताया जाता है जबकि अब सरकार कबूल कर रही है कि इसके द्वारा ४३ हजार लोगों को कोरोना की सहायता दी गई है।

जल्दी ही चार्ज निश्चित किया जाएगा

कोरोना के मरीजों का उपचार करने के लिए घर आएंगे डॉक्टर

अहमदाबाद, ८ जनवरी।

पूरे गुजरात में कोरोना के रोजाना केस में भारी उछाल आया है। इसमें भी अहमदाबाद शहर में सबसे ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं। पिछले सप्ताह में अहमदाबाद में कोरोना का संक्रमण बढ़ने पर घर पर आईसोलेट होने पर कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। अहमदाबाद हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन द्वारा होम सर्विस (मरीजों के घर पर जाकर उपचार करना) और निर्धारित मापदंड के अनुसार उपचार लेने के लिए सदस्यों के लिए प्राइस रेंज निश्चित करने का निर्णय किया गया है। ८.ल्ड के प्रमुख डॉ. भरत गढवी ने कहा है कि, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कई लोगों ने मरीजों के घर पर जाकर उनको उपचार देने का मौका देखा और यह निश्चित समय के लिए यह सेवा शुरू की थी। हालांकि, कई केस में स्टान्डर्ड प्रोटोकॉल का पालन नहीं होता था और यानी कि हमने निश्चित किया कि, मैंबर हो ऐसे अस्पतालों में तो प्रक्रिया नियमित होनी ही चाहिए। घर पर आइसोलेट हुए मरीजों को किस स्थिति में अस्पताल में भर्ती करना इस मामले का उल्लेख भी एसओपी में किया गया था। शहर के जनरल प्रैक्टिस करने डॉक्टरों का कहना है कि, दूसरी लहर की अपेक्षा हाल की स्थिति अलग है। अहमदाबाद फैमिली फिजिशियन्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी डॉ. प्रशेश वच्छराजानी ने कहा है कि, दूसरी लहर के समय कोरोना के मध्यम या गंभीर लक्षण वाले मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ रेमडेसिविर और अन्य दवाइयां देनी पड़ी थी। हाल की स्थिति देखे तो ऐसे एकल-दोकल मरीज देखने को मिलते है।

यानी कि जनरल प्रैक्टिस करते डॉक्टर निदान करने के बाद मरीजों को दवाई लिखकर देते है और उनको नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का निगरानी करने की सूचना देते है। डॉ. वच्छराजानी के अनुसार अधिकतर मरीजों के लिए प्रोफेशनल केरगिवर्स की जरूरत अभी पैदा नहीं हुई है।

पिछले की बर्थ डे पार्टी में जुटी हजारों की भीड़, पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है और सरकार लगातार लोगों से कोविड नियमों में पालन करने की अपील कर रही हैं इसके बावजूद हजारों की संख्या में एकत्र होकर कोरोना को न्यौता दे रहे हैं ऐसी ही एक घटना पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र से सामने आई है, जहां लोकगायिका काजल महेरिया ने बर्थ डे पार्टी में संगीत समा बांधकर हजारों की भीड़ जुटा ली सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया हैं जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र स्थित मधुवन ग्रीन नामक एक निजी पार्टी प्लाट में पोमेरियन ब्रीड के पिल्ले की बर्थ डे पार्टी का आयोजन किया गया थां पिल्ले की बर्थ डे पार्टी में गायिका काजल महेरिया को भी बुलाया गया था जिसे सुनने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जमा हो गई बर्थ डे पार्टी सात लाख रुपए से अधिक खर्च किया गया घटना सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने चिराग उर्फ मितेश पटेल, उर्विश पटेल और दिव्येश महेरिया को गिरफ्तार कर लिया हैं पकड़े गए तीनों लोग कार्यक्रम के आयोजक माने जा रहे हैं कार्यक्रम में काजल महेरिया भी मौजूद थीं, जिससे उन्हें भी गिरफ्तार किए जाने की संभावना जताई जा रही हैं गौर करनेवाली बात है कि राज्य में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है इसके बावजूद लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं

मानस विनयपत्रिका।। दिन-8 दिनांक 8 जनवरी।

मानस विनयपत्रिका।। दिन-8 दिनांक 8 जनवरी।

रामचरितमानस मानसशास्त्र है पूरा मनोविज्ञान है।।

कभी-कभी निवृत्ति के लिबास में हम बहुत प्रवृत्त दिखते हैं।।

बल,धीरज, साहस और वीरता ये चार जीन में होते हैं वह मंगल मूर्ति है।।

तलगाजरडा स्थित हनुमानजी का यह स्वरूप अकस्मात नहीं और इसकी कोइ पेटेंट भी नहीं है।।

आठवें दिन की कथा पर बापू ने बताया कि यह रामचरितमानस मानसशास्त्र है पूरा मनोविज्ञान है।। यहां तीन बातें सामने आती है:शत्रुघ्न जी ने मंथरा पर प्रहार किया,लक्ष्मण ने दशरथ रूपी काम पर प्रहार किया और भरत जी ने कैकयी रूपी क्रोध पर प्रहार किया।। लेकिन मनोविज्ञान से सोचते हैं तो यह बदला लेने के लिए नहीं लेकिन बदलने के लिए प्रहार हुए हैं।।

जैसे सती पार्वती राम की परीक्षा लेने जाती है तब शिव जय सच्चिदानंद जग पावन मनोज नशावन ऐसा बोलते हैं। तो पार्वती के मन में प्रश्न उठते हैं यह जो 5 शब्द है राम सत्य है?राम में चित है? राम में आनंद है? राम जगपावन है? और राम मनोज नशावन है?सती के प्रश्न का हल है। लेकिन मैं आप तक पहुंचूं यदि राम सत्य है तो असत रूपी मृग के पीछे क्यों भागे? यह तर्क है। यदि राम चित स्वरूप है तो चित्त मनुष्य को ही मिलता है,पशु-पक्षी आदि को चित्त नहीं होता। तो जहां चित्त नहीं होता ऐसे पंछियों को क्यों पूछते हैं कि सीता कहां गई मेरी सीता कहां है! मन संकल्प विकल्प करता है, चित्त याददाश्त से जुड़ा है और अहंकार मूढता से जुड़ा होता है।।ऐसे हमारे में तृष्णा-तीन एषणाएं होती है: पुत्रेष्णा,जिसे हम सुतेषणा कहते हैं वित्तैषणा जिसे हम वित्तेषणा कहते हैं और फिर प्रतिष्ठा की एषणा जिसे हम लोकेषणा कहते हैं। बापू ने बताया कि कभी-कभी निवृत्ति के लिबास में हम बहुत प्रवृत्त दिखते हैं। क्या है प्रवृत्ति और निवृत्ति किसे कहते हैं? वह बातें भी बापू ने समझाई।।

कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण 15 जनवरी तक राज्य में सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला किया हैं बीते दिन आगामी 10 जनवरी से होनेवाली वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के अलावा अंतर्राष्ट्रीय पतंगोत्सव और अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर होनेवाला फ्लावर शो रद्द करने की घोषणा की गई थी आज मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आगामी 15 जनवरी तक अपने सभी कार्यक्रमों का रद्द कर दिया गया हैं साथ ही प्रभारी मंत्रियों को अपने जिलों में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करने और स्वास्थ्य व्यवस्था करने का आदेश दिया हैं गौरतलब है कोविड नियमों का सबसे अधिक उल्लंघन सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों में किया जाता हैं ऐसे में सरकार ने स्वयं शुरुआत करते हुए सभी सरकारी कार्यक्रमों को 15 जनवरी तक रद्द कर दिया हैं 15 तक मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल अपने निवासस्थान का मुख्यमंत्री कार्यालय से कोरोना की स्थिति की समीक्षा करेंगें बता दें कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए गुरुवार को ही गुजरात सरकार ने आगामी 10 से 12 जनवरी के बीच होनेवाली वाइब्रेंट समिट को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया हैं वाइब्रेंट समिट स्थगित होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं अहमदाबाद में होनेवाले पतंगोत्सव और साबरमती रिवरफ्रंट पर होनेवाले फ्लावर शो को भी रद्द कर दिया गया हैं

कोरोना के रोजाना हजारों मामलों के बावजूद ज्यादातर अस्पतालों में 95 फीसदी बेड खाली

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में कोरोना के रोजाना हजारों केस सामने आ रहे हैं, इसके बावजूद अस्पताल में भर्ती होनेवालों की संख्या नहीं के बराबर हैं गुजरात में रोजाना केसों की संख्या 5000 को जरूर पार गई है, परंतु ज्यादातर लोग होम आइसोलेट होकर इलाज करवाकर ठीक भी हो रहे हैं कोरोना संक्रमित ज्यादातर मरीजों में सामान्य लक्षण दिख रहे हैं और ऐसे लोग अपने घरों में उपचार करवा रहे हैं मौजूदा वक्त में राज्य में ज्यादातर लोग कोविड वैक्सीन ले चुके हैं, जिसकी वजह से कोरोना का उन पर असर कम दिख रहा हैं अर्थात कोरोना का कोई घातक असर नहीं हो रहा गुजरात में रोजाना दर्ज हो रहे कुल केसों में आधे से ज्यादा केस अहमदाबाद में सामने आ रहे हैं इसके बावजूद अहमदाबाद के निजी अस्पतालों के आइसोलेशन में 790 में से केवल 79 बेड पर मरीज उपचाराधीन हैं जबकि वेन्टीलेटर पर केवल एक मरीज हैं प्राइवेट होस्पिटलों में 2510 ऑक्सिजन बेड में से केवल 105 बेड ही भरे हैं और 2405 अब भी खाली पड़े हैं धानी अस्पताल में केवल 4 प्रतिशत ही बेड भरे हैं और 96 प्रतिशत ही भरे हैं अहमदाबाद में केवल 2 मरीज ही वेन्टीलेटर पर हैं जबकि 79 मरीज आइसोलेशन बेड पर, 24 मरीज एडीयू और 2 मरीज आईसीयू में हैं अहमदाबाद में 51 जितने अस्पतालों में कोरोना के उपचार की व्यवस्था की गई है और उसमें 11 अस्पतालों में मरीज उपचाराधीन हैं अहमदाबाद के सोला सिम्स होस्पिटल के आइसोलेशन में 13, एचडीयू में 4 और वेन्टीलेटर पर केवल एक मरीज उपचाराधीन हैं अहमदाबाद के एसजीवीपी में 10 मरीजों का उपचार चल रहा हैं अहमदाबाद में रोजाना केसों का आंकड़ा 2000 को पार कर गया है, परंतु अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या नहीं के बराबर हैं ऐसा कहा जा सकता है कि कोरोना संक्रमण तेजी से जरूर फैल रहा है, लेकिन दूसरी लहर की तरह घातक नहीं हैं

मुख्यमंत्री शनिवार सुबह गांधीनगर से मुख्य सचिव के साथ सुरेन्द्रनगर के लींबडी पहुंचे

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मुख्य सचिव पंकज कुमार ने शनिवार को सड़क एवं मकान विभाग के सचिव संदीप वसावा को साथ रखकर लींबडी-बगोदरा के बीच चल रहे छह मार्गीय सड़क के डामर कार्य का निरीक्षण कर जानकारी हासिल की। उन्होंने कटारिया तारापुर छह लेन मार्ग के अंतर्गत अरणेज में निर्माणाधीन पुल के कार्यों का भी जायजा लिया। भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद-राजकोट राष्ट्रीय राजमार्ग को छह लेन बनाने के कार्य की प्रगति का स्थल निरीक्षण करने और गुणवत्ता आदि की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से सड़क मार्ग से इस रूट पर निकले थे। उन्होंने विभिन्न स्थलों पर सड़क निर्माण कार्य को देखा तथा इस कार्य से जुड़े इंजीनियरों एवं अधिकारियों के साथ कार्य की समीक्षा की।

वर्च्युअली होगा खोडधाम का पाटोत्सव, महासभा स्थगित : नरेश पटेल

राजकोट (ईएमएस) राजकोट के कागवड में आगामी 21 जनवरी से होनेवाले खोडलधाम पाटोत्सव को लेकर बड़ी खबर सामने आई हैं खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल ने कहा कि आगामी पाटोत्सव समेत सभी धार्मिक कार्यक्रम वर्च्युअली होंगें साथ ही महासभा का आयोजन फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया गया हैं महासभा की तारीखों को बाद में ऐलान किया जाएगा 21 जनवरी से शुरू हो रहे पाटोत्सव के वर्च्युअल कार्यक्रमों में गुजरात और महाराष्ट्र के लोग ऑनलाइन शामिल हो सकते हैं बता दें कि पिछले तीन महीने से खोडलधाम और पाटीदार समाज जोरशोर से तैयारियां कर रहा था स्वयं नरेश पटेल राज्यभर में घूम घूम कर खोडलधाम के पाटोत्सव में शामिल होने को आमंत्रित कर रहे थें लेकिन कोरोना लगातार बढ़ते संक्रमण और तीसरी लहर की भयावह आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए खोडलधाम पाटोत्सव को वर्च्युअल आयोजित करने का फैसला किया गया हैं हालांकि महासभा रद्द नहीं की गई, बल्कि स्थगित की गई है और आगामी दिनों में कोरोना की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इसका आयोजन किया जाएगा एक सवाल के जवाब में नरेश पटेल ने कहा कि यदि समाज कहेगा वह राजनीतिक मैदान में उतरेंगें इससे पहले भी कई लोग मुझे राजनीति में आने का आग्रह कर चुके हैं खोडलधाम ट्रस्ट के प्रवक्ता हसमुख लुणागरिया ने कहा कि 21 जनवरी को होनेवाले कार्यक्रम की 70 प्रतिशत तैयारियां पूर्ण कर ली गई थीं लेकिन कोरोना के मामले लगातार बढ़ने से पाटोत्सव वर्च्युअल करने का सर्वसम्मति से फैसला किया गया हैं अब 108 के बजाए केवल 1 यज्ञ किया जाएगा इस पाटोत्सव में करीब 30 लाख से अधिक लोग शामिल होने वाले थे, लेकिन कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह फिलहाल संभव नहीं हैं गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के बढ़ने की वजह से आगामी 10 जनवरी से होनेवाला वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को स्थगित कर दी गई हैं साथ ही अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव समेत सभी सरकारी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया हैं अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर होनेवाले फ्लावर शो को भी रद्द कर दिया गया हैं

पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल यात्रियों को कर रहा कोविड अनुरूप व्यवहार के लिए जागरूक

मुंबई में कोविड मामलों के वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए पश्चिम रेलवे अपनी ओर से यात्रियों को इस महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई की लोकल ट्रेनों को शहर की जीवन रेखा कहा जाता है। शहर की बड़ी आबादी अपने कार्यस्थलों या अन्य गंतव्यों तक पहुंचने के लिए इनका उपयोग करती है। इसलिए, लोकल ट्रेनों में रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों में जागरूकता लाने के लिए पश्चिम रेलवे का आरपीएफ पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रा के दौरान यात्रियों को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चला रहा है। यह अभियान कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए चलाया गया है। आरपीएफ स्टाफ द्वारा यात्रियों को मास्क के इस्तेमाल, हैंड सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से बैनर, पैम्फलेट और लाउड स्पीकर के माध्यम से इस विषय में जागरूक एवं शिक्षित किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे ने भी अपने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान हर समय कोविड के अनुरूप व्यवहार का पालन करें तथा सुरक्षित रहें।

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड (एनआईएमएफ) ने निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड (एफओएफ) लॉन्च किया

एनआईएमएफ ईटीएफ ने 500 बिलियन रुपये से अधिक मूल्य के एसेट्स की व्यवस्था की*

वडोदरा 07 जनवरी 2022: निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड (एनआईएमएफ) की एसेट मैनेजर निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएएम इंडिया) ने फिजिकल सिल्वर और सिल्वर रिलेटेड इंस्ट्रूमेंट्स तथा निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड (एफओएफ) में निवेश करते हुए निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ को लॉन्च करने की घोषणा की है, जो निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करेगा। दोनों योजनाओं का यह एनएफओ 13 जनवरी 2022 को खुलेगा और 27 जनवरी 2022 को बंद होगा।

निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ के लिए, एनएफओ के दौरान आवश्यक न्यूनतम निवेश राशि 1,000 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में

है; जबकि निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड (एफओएफ) के लिए एनएफओ के दौरान आवश्यक न्यूनतम निवेश राशि 100 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में है।

निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड (एफओएफ) के जरिए निवेशक कोई डीमैट खाता न होते हुए भी निवेश कर सकते हैं और सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) वाला विकल्प भी चुन सकते हैं।

इस लॉन्च के अवसर पर बात करते हुए निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख हेमेन भाटिया ने कहा, "गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड एफओएफ का अग्रदूत होने के नाते हम निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ और निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड (एफओएफ) को लॉन्च करने के साथ कमोडिटी स्पेस के भीतर निवेशकों को एक अतिरिक्त बिल्डिंग ब्लॉक की पेशकश करके खुश हैं।

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड (एनआईएमएफ) भारत के सबसे बड़े ईटीएफ खिलाड़ियों में गिना जाता है, जिसका 30 नवंबर, 2021 तक एयूएम 500 बिलियन रुपये से अधिक रहा।

भारतीय इंडस्ट्री के गोल्ड ईटीएफ एवं गोल्ड एफओएफ आधारित एफओएफ के बीच निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईईएस एवं निप्पॉन इंडिया गोल्ड सेविंग्स फंड का एयूएम सबसे बड़ा है। भारतीय इंडस्ट्री के गोल्ड ईटीएफ में निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईईएस का वॉल्यूम सबसे ज्यादा है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95